छ.ग. राज्य विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

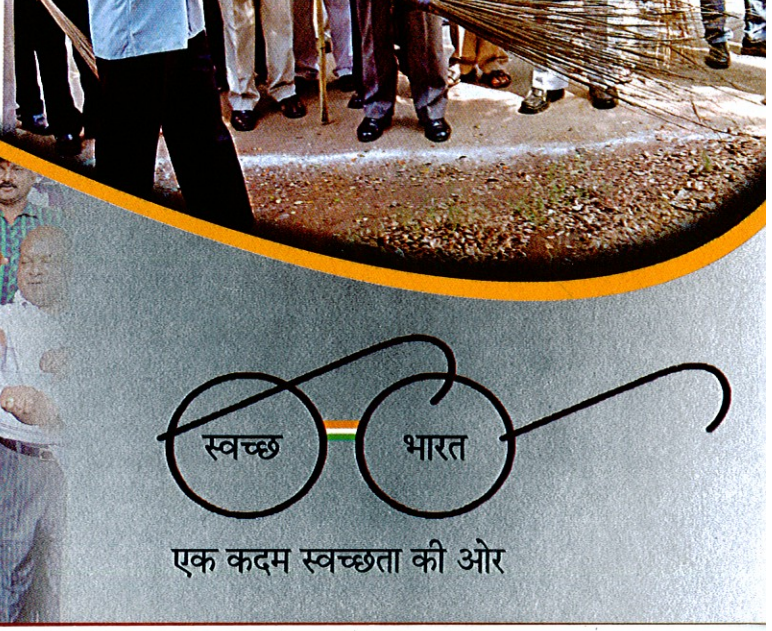

सितंबर - अक्टूबर 2014 ■ वर्ष-10

छ.ग. विद्युत कं. मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

सितंबर-अक्टूबर 2014 ▪ वर्ष-10

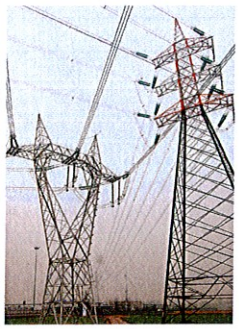

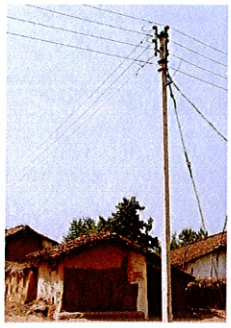

संरक्षक

- **श्री शिवराज सिंह**
  अध्यक्ष
- **श्री सुबोध सिंह**
  प्रबंध निदेशक (वितरण / ट्रेडिंग कं. मर्या.)
- **श्री विजय सिंह**
  प्रबंध निदेशक (पारेषण कं. मर्या.)
- **श्री शशिभूषण अग्रवाल**
  प्रबंध निदेशक (उत्पा. कं. मर्या.)
- **श्री अनूप कुमार गर्ग**
  प्रबंध निदेशक (होल्डिंग कं. मर्या.)
- **श्री पी.के. अग्रवाल**
  कार्यपालक निदेशक (मा.सं.)
- **श्री अजय श्रीवास्तव**
  अति. महाप्रबंधक (मा.सं.)

संपादक

- **श्री विजय कुमार मिश्रा**
  उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क)

सहयोग

- **श्री जाबिर मोहम्मद कुरैशी**

छायाकार

- **श्री संजय टेम्भे**

पता :

संपादक : संकल्प
उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क)
छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कं. मर्या.
डंगनिया रायपुर, छत्तीसगढ़
e-mail : vijay.mishra361@gmail.com

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कम्पनी मर्यादित

प्रदेश में विद्युत प्रगति का पटल

	नवंबर 2000	अक्टूबर 2014
ताप विद्युत क्षमता	1240 मेगावॉट	2286 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.70 मेगावॉट
कुल ताप, जल विद्युत क्षमता	1360 मेगावॉट	2424.76 मेगावॉट
क्षमता वृद्धि	---	1064.70 मेगावॉट
अति उच्चदाब उपकेंद्रों की संख्या	27 नग	88 नग
अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई	5205 सर्किट कि.मी.	10408 सर्किट कि.मी.
33/11 के.व्ही. उपकेंद्रों की संख्या	248 नग	903 नग
33 के.व्ही. लाइनों की लंबाई	6988 सर्किट कि.मी.	17523 सर्किट कि.मी.
11/04 के.व्ही. उपकेंद्रों की संख्या	29692 नग	102209 नग
11 के.व्ही. लाइनों की लंबाई	40556 कि.मी.	84302 कि.मी.
निम्नदाब लाइनों की लंबाई	51314 कि.मी.	149793 कि.मी.
केपेसिटर स्थापित	94 एमव्हीएआर	935 एमव्हीएआर
कुल आबाद ग्रामों की संख्या (जनगणना 2011 के अनुसार)	---	19567
विद्युतीकृत ग्रामों की संख्या	17682	19057
विद्युतीकरण का प्रतिशत	91.00	97.39
विद्युतीकृत मजराटोला की संख्या	10375	25123
विद्युतीकृत पंपों की संख्या	72400	352258
एकलबत्ती कनेक्शन की संख्या	630389	1567192

संपादकीय

स्वच्छ भारत अभियान

02 अक्टूबर का दिन इस वर्ष राष्ट्रपिता महात्मागांधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री जी की जयंती की दृष्टि से तो विशेष रहा ही परन्तु इस दिवस पर स्वच्छ भारत मिशन के जनआंदोलन को प्रभावी ढंग से देशभर में प्रारंभ करके एक नए इतिहास का आरंभ किया गया। भारत वर्ष के ग्रामीण एवं शहरी नागरिकों ने जमकर इसमें अपनी भागीदारी दी। इस जनआंदोलन का उद्देश्य वर्ष 2019 तक समूचे भारववर्ष को स्वच्छ बनाना है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की परिकल्पना को साकार करने प्रत्येक नागरिक ने यह संकल्प लिया कि- मैं न गंदगी करूंगा, न किसी को करने दूंगा।

यह सर्वविदित है कि स्वच्छता का सीधा संबंध स्वास्थ्य एवं सुदंरता से है। जहां स्वच्छता है, वहां सुंदर-स्वास्थ्य भी है। याद रखने लायक बात यह भी है कि स्वच्छ और स्वस्थ्य होंगे तो समृद्धि और शांति का मार्ग स्वमेव प्रशस्त होता चला जायेगा। स्वस्थ्य होंगे तो चिकित्सा व्यय में भी निश्चित रूप से कमी आयेगी। इसके विपरीत जहां अस्वच्छता होगी वहां अस्वस्थता, विकृतियां और कुरूपता की जड़ें अपनी गहरी पैठ बनाती चली जायेंगी। इसके दुष्परिणाम के रूप में जनसामान्य को विभिन्न प्रकार के प्रदूषण सहित अनेक संक्रामक रोगों से भी दो-चार होना पड़ेगा।

घर, दफ्तर, गांव, शहर, विद्यालय, चिकित्सालय, नदी, तालाब, कुंआ, रेल्वे स्टेशन, बस स्टेण्ड के अलावा अनेक स्थल हैं, जहां बिखरी हुई गंदगी, भिनभिनाती हुई मक्खियां, सड़े-गले कचरे के ढेर को हम नजरअदांज करते हुये दिनभर में अनेक बार निकल जाते हैं। इनसे बचने के लिए नाक में रूमाल रख लेना को हमने एक कारगर उपाय के रूप में अपना लिया है। ऐसी चतुराई का प्रदर्शन करते समय हम यह भूल जाते हैं कि यह एक क्षणिक उपाय हैं। ऐसे ही हमारी चूक और जानबूझकर की जा रही नासमझी के तरफ स्वच्छ भारत अभियान हमें सजग रहने के लिए प्रेरित कर रहा है। स्वच्छ भारत अभियान जागरूक रहने का संदेश देते हुये कहता है कि-

रोग रहेगा, न व्याधि होगी, होगा स्वच्छ-सुखी संसार,
जब निर्मल भारत अभियान का सपना होगा साकार।

स्वच्छ भारत जैसे बड़े सपने को किसी एक व्यक्ति, किसी एक संस्था, किसी एक समुदाय अथवा किसी एक सरकार द्वारा साकार नहीं किया जा सकता। किसी एक विशेष दिवस या अवसर पर हाथ में झाड़ू लेकर साफ-सफाई कर देने से भी स्वच्छ भारत मिशन सफल नहीं हो पायेगा। इसके लिए भारतवर्ष के प्रत्येक नागरिक को स्वयं अपने विवेक से जागरूक रहकर स्वच्छता का ध्यान हर समय हर जगह रखना होगा।

स्वच्छ भारत अभियान में बढ़-चढ़कर लोगों ने अपनी भागीदारी दी, यह अत्यन्त सराहनीय कदम है, पर ऐसे ऐतिहासिक दिवस में कुछ उदासीन और निष्क्रिय लोगों को भी देखने और सुनने का अवसर मिला जो सफाई कार्य में लगे लोगों की खिल्ली उड़ा रहे थे। साफ -सफाई के प्रति उदासीन रहने वाले ऐसे लोग इस कार्य को सरकार की जिम्मेदारी ठहराते हुये पल्ला झाड़ लेने को अपनी विद्वता समझ रहे थे।

ऐसे उदासीन लोगों की विचाराधारा में बदलाव लाने के लिए राष्ट्रपिता महात्मागांधी जी ने कहा था कि प्रत्येक व्यक्ति में साफ-सफाई करने वाला, कामगार निहित होता है। चाहे कपड़े धुलाई का कार्य हो, घर आंगन, सड़क, उद्यान की साफ सफाई का कार्य हो अथवा नाली-शौचालय-स्नानागार की सफाई का कार्य हो। व्यक्ति स्वयं इसे करके आत्मनिर्भरता के आचरण को भी अपने एक आदर्श के रूप में प्रदर्शित कर सकता है। गांधी जी ने बाहरी वातावरण के साथ ही मन के मैल को भी धोने की विचारधारा को जन-जन तक प्रचारित किया। एक पुरानी कहावत भी है कि मन चंगा तो कठौती में गंगा।

स्वच्छता संबंधी जागरूकता को अपनी आदतों में शुमार करना जरूरी है। साथ ही गंदगी फैलाने वाले लोगों को बेबाकी से रोकना भी आवश्यक है, क्योंकि गंदगी चाहे किसी एक व्यक्ति द्वारा ही क्यों न की गई हो, यह सभी के लिए अहितकारी सिद्ध होती है। इसे हमेशा अपने स्मृति पटल पर बनाये हुये सफाई के प्रति जागरूकता अभियान, साफ -सफाई के बूते बेहतर स्वास्थ्य और स्वच्छता से समृद्धि जैसे तथ्यपूर्ण पहलुओं को जनमानस तक पहुंचाना होगा। इन्हीं सब प्रयासों से स्वच्छ भारत की एक सुंदर तस्वीर विश्व के मानचित्र पर अंकित होगी।

विजय मिश्रा

जम्मू कश्मीर के बाढ़ पीड़ितों की सहायतार्थ बिजली उपकरण भेजने का निर्णय

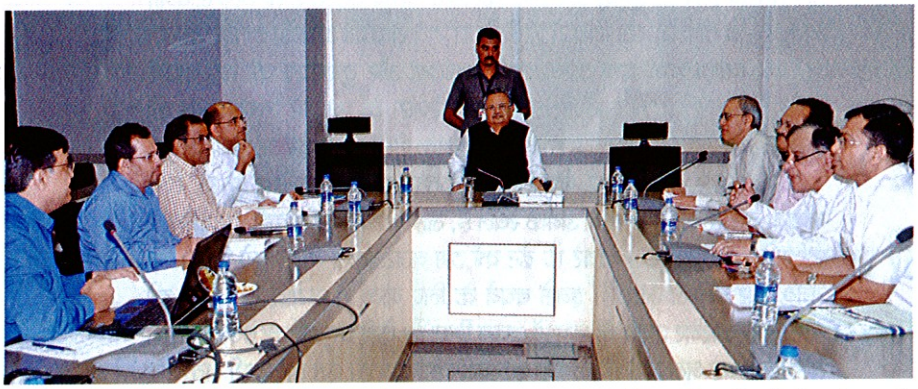

जम्मू कश्मीर के बाढ़ पीड़ितों के मदद के लिए मान. मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की अध्यक्षता में 12 सितम्बर 2014 को मंत्रालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से दस हजार सोलर लैम्प सहित बिजली के ट्रांसफार्मर एवं अन्य आवश्यक विद्युत उपकरण भेजने की घोषणा की। छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से बाढ़ प्रभावितों के लिए दस करोड़ रूपये की सहायता पांच करोड़ रूपये नगद और पांच करोड़ के अनाज की सहायता शामिल है।

मान. मुख्यमंत्री जी ने छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी एवं छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) के अधिकारियों को सोलर लेम्पों के अलावा बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रणाली को नियमित बनाये रखने के लिए ट्रांसफार्मर एवं अन्य जरूरी उपकरण भेजने हेतु त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिये। बैठक में पॉवर कंपनी के अध्यक्ष श्री शिवराज सिंह, वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री डी.एस.मिश्रा, श्री अजय सिंह, ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव श्री अमन कुमार सिंह और क्रेडा के निदेशक श्री एस.के.शुक्ला सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

पॉवर कंपनी को स्वच्छ बनाने अधिकारियों कर्मचारियों ने की सफाई

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी मुख्यालय में आयोजित स्वच्छता संबंधी शपथ समारोह में बड़ी संख्या में अधिकारियों-कर्मचारियों ने 2 अक्टूबर को शपथ लिया। समारोह में उपस्थित अध्यक्ष श्री शिवराज सिंह, प्रबंध निदेशक सर्वश्री विजय सिंह, अनूप गर्ग, शशिभूषण अग्रवाल सहित उपस्थितजनों ने स्वच्छता के प्रति सजग रहते हुये भारत भूमि को गंदगी से दूर रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि स्वच्छता बनाये रखना काम तो एक है पर इसके फायदे अनेक है, अतः स्वच्छता को दैनिक दिनचर्या में शामिल करना ही चाहिये।

कंपनी के कार्यपालक निदेशक (मा.सं.) श्री पी.के. अग्रवाल के संयोजन में संपन्न हुये शपथ समारोह में उपमहाप्रबंधक (औ.सं.) श्री जी. खंडेलवाल ने शपथ पत्र का वाचन किया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने कंपनी अध्यक्ष श्री शिवराज सिंह एवं प्रबंध निदेशकों तथा अन्य अधिकारियों कर्मचारियों ने पूरे परिसर की सफाई में भागीदारी दी। प्रदेश भर में स्थित विद्युत कार्यालयों में भी स्वच्छता शपथ के साथ श्रमदान किया गया।

बिजली मंत्रियों के सम्मेलन में मुख्यमंत्री रमन सिंह ने कहा: समवर्ती सूची का विषय बने बिजली

नई दिल्ली में 9 सितम्बर, 2014 को आयोजित राज्यों के बिजली मंत्रियों के सम्मेलन में मान.मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा कि बिजली के क्षेत्र में पूर्व में व्याप्त अनिश्चितता एवं भेदभावपूर्ण रवैये को छोड़ने सहित विकास और उन्नति की ओर बिजली क्षेत्र को अग्रसर करने के लिए इसे केन्द्रीय सूची का विषय न मानकर समवर्ती सूची का विषय मानते हुये काम करना चाहिये। अपरिहार्य कारणों से मुख्यमंत्रीजी की अनुपस्थिति में छ.ग.शासन के प्रमुख सचिव (ऊर्जा) श्री अमन सिंह ने उनके उद्‌बोधन को प्रस्तुत किया। सम्मेलन में उपस्थित केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री श्री पियूष गोयल से भेंट कर इन्होंने पुष्प गुच्छ से उनका अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्रीजी के उद्‌बोधन में कहा गया कि केन्द्र को केवल बिजली उत्पादन पर ही नहीं, अपितु बिजली वितरण तथा वितरण कंपनियों की वित्तीय और वाणिज्यिक स्थिति सुधारने पर भी ध्यान केन्द्रित किये जाने चाहिये। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार को आरईसी एवं पीएफसी जैसे वित्तीय संस्थानों के माध्यम से राज्यों के लिए सहयोग और अनुदान तंत्र को व्यवस्थित करना चाहिये।

कृषि क्षेत्र के विकास में बिजली की भूमिका को प्रभावी बनाने पर जोर देते हुये मुख्यमंत्रीजी की ओर से व्यक्त किया गया कि कृषि की उन्नति में पानी, बीज और फर्टीलाइजर के समान बिजली को भी एक महत्वपूर्ण इनपुट माना जाये। छत्तीसगढ़ में पांच हार्सपॉवर तक के सिंचाई पम्पों के लिए 7500 यूनिट बिजली प्रतिवर्ष किसानों को निःशुल्क दिया जा रहा हैं। साथ ही सिंचाई पम्पों को विद्युत कनेक्शन प्रदान करने में भी सहयोग किया जा रहा हैं। इस योजना को राष्ट्र स्तर पर लागू करने की मांग डॉ. सिंह ने केन्द्र सरकार से की।

बिजली क्षेत्र की क्षमता वृद्धि हेतु दूरगामी योजना उठाये जाने पर बल देते हुये मुख्यमंत्रीजी के उद्‌बोधन में केन्द्र सरकार से आग्रह किया गया कि छत्तीसगढ़ के नया रायपुर में बिजली की भावी जरूरतों के अनुरूप क्षमता निर्माण के लिए केन्द्र सरकार संस्थान प्रारंभ करे। इसके लिए 25 एकड़ भूमि निःशुल्क किया जावेंगा। आगे बताया गया कि छत्तीसगढ़ के वन क्षेत्रों में बिजली उपलब्ध कराने हेतु सौर ऊर्जा प्रणाली को अपनाया गया हैं। इसके बेहतर परिणाम मिले हैं। केन्द्र सरकार को भी इस संबंध में नीति अपनाना चाहिये। बिजली मंत्रियों के सम्मेलन में प्रमुख ऊर्जा सचिव श्री अमन सिंह के साथ छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री सुबोध सिंह भी उपस्थित थे।

पूज्यनीय कौन?

एक मंदिर में स्थापित प्रस्तर प्रतिमा पर चढ़ाए गए पुष्प ने क्रोधित होकर पुजारी से कहा, 'तुम प्रतिदिन इस प्रस्तर प्रतिमा पर मुझे चढ़ाकर इसकी पूजा करते हो। यह मुझे कतई पसंद नहीं है। पूजा मेरी होनी चाहिये क्योंकि मैं कोमल, सुंदर, सुवासित हूँ। यह तो मात्र पत्थर की मूर्ति है।'

मंदिर के पुजारी ने हँसते हुए कहा, 'हे पुष्प, तुम कोमल, सुंदर, सुवासित अवश्य हो पर तुम्हें ईश्वर ने ऐसा बनाया है। ये गुण तुम्हें सहजता से प्राप्त हुए हैं। इनके लिये तुम्हें कोई श्रम नहीं करना पड़ा है। पर देवत्व प्राप्त करना बड़ा कठिन काम है। इस देव प्रतिमा का निर्माण बड़ी कठिनाई से किया जाता है। एक कठोर पत्थर को देव प्रतिमा बनने के लिये हजारों चोटें सहनी पड़ती हैं। चोट लगते ही अगर यह टूट कर बिखर जाता तो शायद यह कभी देव प्रतिमा नहीं बन सकता था। एक बार कठोर पत्थर देव प्रतिमा में ढल जाए तो लोग उसे बड़े आदर भाव से मंदिर में स्थापित कर प्रतिदिन उसकी पूजा अर्चना करते हैं। इस प्रस्तर की सहनशीलता ने ही इसे देव प्रतिमा के रूप में पूजनीय तथा वंदनीय बना दिया है।

यह सुनकर पुष्प मुस्कुरा दिया। वह समझ गया कि कठिन परीक्षा को सफलता पूर्वक पार करनेवाला ही देवत्व प्राप्त करता है।

बिजली बिल भुगतान हेतु मुख्यमंत्री डॉ. सिंह ने दी स्मार्ट फोन, कॉमन सर्विस सेंटर की दो बड़ी सौगात

ग्रामीण क्षेत्रों में बिल भुगतान हेतु 2700 से अधिक कॉमन सर्विस सेंटर क्रियाशील

देश में आई मोबाईल क्रांति को देखते हुये स्मार्ट फोन एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लिए कॉमन सर्विस सेंटर के जरिये बिल भुगतान संबंधी दो नई सुविधाओं का शुभारंभ माननीय मुख्यमंत्री डॉ0 रमन सिंह के द्वारा अक्टूबर 2014 को मंत्रालय में किया गया। प्रदेश इतिहास में पहली बार आरंभ हुई यह बहुउद्देशीय सुविधा उपभोक्ताओं के लिये एक बड़ी सौगात है।

इस सुविधा को शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए बहुपयोगी बताते हुये मुख्यमंत्री डॉ. सिंह ने विद्युत के क्षेत्र में मोबाईल क्रांति का उपयोग उपभोक्ता हित में और अधिक करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा उपभोक्ताओं के मोबाईल नंबर पंजीकृत कर एस.एम.एस. के जरिये विद्युत विषयक जानकारी देने फौरी पहल करें जिससे कि विद्युत उपभोक्ता बिल संबंधी, भुगतान संबंधी आदि की जानकारी कंपनी की एसएमएस सेवा से प्राप्त कर सकें।

इस नई सुविधा के तहत् अब स्मार्ट मोबाईल फोन (एन्ड्राइड आधारित) के माध्यम से कहीं से भी किसी भी समय विद्युत देयक का भुगतान उपभोक्तागण सहजता से कर सकते है। इससे उपभोक्ताओं के समय, श्रम एवं अर्थ की बचत होगी। इस अवसर पर मान. लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्री श्री अमर अग्रवाल, पॉवर कम्पनीज अध्यक्ष, श्री शिवराज सिंह, छ.ग.शासन के मुख्य सचिव श्री विवेक ढांड, अपर मुख्य सचिव श्री डी.एस.मिश्रा, प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री अमन सिंह, वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री

सुबोध सिंह एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। एमडी श्री सिंह ने स्मार्ट फोन के माध्यम से विद्युत बिलों का भुगतान की प्रक्रिया के संबंध में बताया कि उपभोक्तागण विद्युत वितरण कंपनी के वेबसाइट "डब्लू डब्लू डब्लू डॉट सीएसपीडीसीएल डॉट को डॉट इन" www.cspdcl.co.in में लाग-इन करने के पश्चात् सीएसपीडीसीएल एप्स के माध्यम से भुगतान हेतु बनाये गये एप्लीकेशन को अपने मोबाईल में डाउनलोड करके इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

यह सुविधा सभी नेटवर्क सर्विस प्रोवाइडर के जरिये आसानी से प्राप्त की जा सकती है। स्मार्ट फोन के जरिये विद्युत देयक जमा करने नया एप्स को इंडसइन बैंक के सहयोग से विकसित किया गया है।

प्रबंध निदेशक श्री सुबोध सिंह ने बताया कि चिप्स एवं कॉमन सर्विस सेंटर के संयुक्त प्रयासों से प्रदेशभर में 2700 से अधिक चॉइस केन्द्र भी प्रारंभ किये गये हैं। इनकी सूची वितरण कंपनी के वेबसाइट पर उपलब्ध है।

इन केन्द्रों के माध्यम से सुदूर ग्रामीण अचंल के रहवासी उपभोक्ता बिजली बिल का भुगतान अब अपनी सुविधानुसार कर सकते हैं। पूर्व में ग्रामीणजनों को 4-5 किलोमीटर दूर अपने वितरण केन्द्रों में देयक का भुगतान करने जाना होता था। अब उन्हें अपने करीब ही कॉमन सर्विस सेंटर की सुविधा मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्रों के लिये यह विशेष सेवा भारत सरकार सूचना प्रोद्योगिकी विभाग से समन्वय स्थापित कर आरंभ की गई है।

विनम्रता

लालबहादुर शास्त्री अपने नौकर-चाकरों के साथ बड़ी विनम्रमा का बर्ताव रखते थे, किन्तु उनकी पत्नी ललितादेवी नौकरों के त्रुटिपूर्ण कार्य करने पर नाराज हो जाती थी। एक बार ललिता देवी नौकर की त्रुटि पर उसे फटकारने लगी।

शास्त्री जी ने देखा तो बोले, "नौकरों के साथ विनम्रता से पेश आना चाहिए, डांट-डपट नहीं करनी चाहिए, तभी वे दिल लगाकर काम किया करेंगे।"

इस पर ललितादेवी बिगड़ उठी, बोली- नौकरों पर यदि अंकुश न रखें तब तो वे मनमानी ही करने लगेंगे। उनकी गलतियां तो उन्हें बतानी ही चाहिए। इस पर शास्त्रीजी हंसते हुए बोले, तुम्हें तो इस शेर का अनुकरण करना चाहिए-

कुदरत को ना पसंद है सख्ती बयान में,
इसी वजह तो दी नहीं हड्डी जुबान में...

श्री शारदा सिंह द्वारा कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) का कार्यभार ग्रहण

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग-वितरण कंपनी के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) का कार्यभार श्री शारदा सिंह ने 22 अक्टूबर 14 को ग्रहण किया। अब तक वे बिलासपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक के पद पर पदस्थ थे। पॉवर कंपनी के आदेशानुसार मानव संसाधन विभाग के कार्यपालक निदेशक श्री पी.के.अग्रवाल को बिलासपुर स्थानांतरित किया गया। उनके स्थान पर अस्थाई रूप से कार्यभार संभाले कार्यपालक निदेशक (संचा-संधा) श्री एच.आर.नरवरे से श्री सिंह ने कार्यभार ग्रहण किया।

कंपनी मुख्यालय सेवाभवन में नवागत कार्यपालक निदेशक श्री सिंह को उच्चाधिकारियों सहित कर्मचारियों, विभिन्न संघ-संगठनों के पदाधिकारियों ने बधाई एवं शुभकामनायें दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कंपनी प्रबंधन की कर्मचारी हितैषी नीतियों का त्वरित क्रियान्वयन एवं कंपनी की गौरवशाली परंपरा श्रमिक शांति को सतत् बनाये रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। वर्ष 1977 से विद्युत मण्डल में अपनी सेवायात्रा आरंभ करने के उपरांत 37 वर्षों की अपनी सेवायात्रा को पूर्ण करते हुये श्री सिंह ने मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के विद्युत विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

पॉवर कंपनी के इंजीनियर्स उत्कृष्ट अभियंता सम्मान से विभूषित

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कम्पनीज के तीन अभियंताओं को "अभियंता दिवस" समारोह 2014 में उत्कृष्ट अभियंता सम्मान से सम्मानित होने का गौरव प्राप्त हुआ। इसमें इंजीनियर श्री विनोद कुमार अग्रवाल, श्रीमती कामिनी अवस्थी एवं श्री डी.के. सेन को विद्युत विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए पुरस्कृत किया गया।

सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि माननीय अध्यक्ष विधानसभा छत्तीसगढ शासन श्री गौरीशंकर अग्रवाल द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर उन्होंने सभी सस्थानों में कार्यरत अभियंताओं को प्रदेश के उत्तरोत्तर विकास हेतु प्रोत्साहित किया।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पारेषण कंपनी के लोड डिस्पेच सेंटर के कार्यपालन अभियंता श्री विनोद कुमार अग्रवाल को विश्व बिजिनेस सेमुलेशन में आई.आई.एम. रायपुर की ओर से प्रतिनिधित्व करते हुए विश्व के 36 देशों में चतुर्थ स्थान प्राप्त कर छत्तीसगढ़ को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। इसी तरह पॉवर वितरण कंपनी के भण्डार एवं क्रय में कार्यपालन यंत्री श्रीमती कामिनी अवस्थी, द्वारा बिजली बिल भुगतान की सुविधा में बढ़ोत्तरी करते हुए काफी सुलभ एवं सरल भुगतान की प्रक्रिया के क्रियान्वयन संबंधी उल्लेखनीय कार्य किया गया।

इसी तरह शहर संभाग मध्य में कार्यरत कनिष्ठ अभियंता श्री डी.के. सेन, द्वारा शहरी विद्युत प्रदाय की उप-पारेषण विद्युत लाईनों के सफलतम कार्य के लिए उत्कृष्ट अभियंता अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

क्षेत्रीय मुख्यालय, रायपुर में स्वच्छता अभियान

राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी की जयंती के अवसर पर पॉवर कम्पनी क्षेत्रीय मुख्यालय गुढ़ियारी में आयोजित स्वच्छता अभियान का शुभारंभ करते हुये वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री सुबोध सिंह के नेतृत्व में अधिकारियों कर्मचारियों ने अभियान में बढ़ चढ़ कर भागीदारी दी। स्वच्छ भारत अभियान के तहत् अधिकारियों/कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करते हुए एम.डी. श्री सिंह ने कहा कि पुराने रिकार्ड को एक निश्चित समय के उपरांत अथवा कम्प्यूटर में सुरक्षित करने के पश्चात् नष्ट करने पर कार्यालयों के अधिकांश कचरों की सफाई स्वतः हो जायेंगी।

अभियान के आरंभ में कार्यपालक निदेशक (रायपुर क्षेत्र) श्री एम.एल. मिश्रा द्वारा स्वच्छता शपथ दिलाया गया. उन्होंने कहा कि महात्मा गांधीजी ने अपनी दिनचर्या में स्वच्छता पर बहुत अधिक जोर दिया था. उनके पदचिन्हों पर चलना हमें गौरव बोध कराता है। इस अवसर पर पॉवर कम्पनी के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारीगण ने सामूहिक रूप से स्वच्छता अभियान को साकार करते हुये संपूर्ण परिसर की सफाई कार्य को उत्साहपूर्वक अंजाम दिया।

मानव संसाधन विभाग के अधिकारियों की विदाई-स्वागत

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग एवं वितरण कंपनी के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री पी.के. अग्रवाल, उपमहाप्रबंधक श्री आर.के.मिश्रा, की विदाई एवं नवागत कार्यपालक निदेशक श्री शारदा सिंह तथा उपमहाप्रबंधक श्री आर.ए.पाठक का स्वागत कार्यक्रम कंपनी मुख्यालय में हुआ। विदा लेते अधिकारियों ने अपने कार्यकाल के दौरान अर्जित सफलताओं का श्रेय अधिकारियों-कर्मचारियों की कार्य के प्रति निष्ठा की भावना को दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित कार्यपालक निदेशक (ओएण्डएम) श्री एच.आर.नरवरे ने मानव संसाधन विभाग की महत्ता को प्रतिपादित किया। उन्होंने कहा कि इस विभाग के कार्यों का प्रभाव पूरे प्रदेश के कर्मियों सहित उपभोक्ताओं के हित में संचालित योजनाओं के क्रियान्यवन पर भी पड़ता हैं। नवागत कार्यपालक निदेशक श्री शारदा सिंह ने कहा कि मानव संसाधन विभाग का कार्य विविधताओं से भरा हुआ हैं। यहां के कार्यों का त्वरित निर्वहन टीमवर्क के साथ किया जा सकता हैं। बिलासपुर स्थानांतरित कार्यपालक निदेशक श्री अग्रवाल एवं जगदलपुर स्थानांतरित श्री मिश्रा को प्रतिकात्मक भेंट प्रदान किया गया। इस अवसर पर पॉवर कंपनी के अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री अजय श्रीवास्तव, उपमहाप्रबंधक सर्वश्री डी.डी. पात्रीकर, एस.आर.बांधे, सी.एस.ठाकुर, डी.के. शुक्ला, विजय मिश्रा, पी.के.कोमेजवार, श्रीमती प्रगति ओक एवं श्रीमती मल्लिका केरकेट्टा, जितेन्द्र मेहता, जी.खण्डेलवाल सहित अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर सफल कार्यकाल हेतु बधाई-शुभकामनाएं दी गई। अनुभाग अधिकारी श्री रतन गोंडाने एवं श्री सतीष पिठवे द्वारा संचालन तथा आभार प्रदर्शन श्री प्रबंधक श्री रामप्रसाद राव द्वारा किया गया।

जगदलपुर क्षेत्र में विदाई समारोह

जगदलपुर क्षेत्र में सेवारत अधीक्षण अभियंता श्री आई.पी.एल. देवांगन के जांजगीर चांपा स्थानान्तरण पर भावभीनी विदाई एवं नवपदस्थ अधीक्षण अभियंता श्री आर.के.मिश्रा का स्वागत कार्यक्रम 28 अक्टूबर को जगदलपुर मुख्यालय में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री आर.बी.त्रिपाठी ने श्री देवांगन को प्रतीकात्मक भेंट प्रदान करते हुये उनकी कार्य कुशलता की सराहना की। विदा लेते अधीक्षण अभियंता श्री देवांगन ने जगदलपुर के अपने कार्यकाल को अविस्मरणीय बताते हुये अधिकारियों कर्मचारियों से मिले सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

मुख्य सुरक्षा सैनिक श्री ताराचंद बेन का पद अंलकरण

छत्तीसगढ़ पॉवर होल्डिंग कंपनी में सुरक्षा सैनिक के पद पर कार्यरत श्री ताराचंद बेन को मुख्य सुरक्षा सैनिक के पद पर पदोन्नत किया गया। श्री बेन के पदोन्नति उपरांत पॉवर कंपनी के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री पी.के. अग्रवाल, अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री अजय श्रीवास्तव एवं सुरक्षा इंसपेक्टर श्री आर.के. साहू ने पीपिंग आउट (पदालंकरण) कर शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री जे.आर. पटेल, मुख्य अग्निशमन सह सुरक्षा अधिकारी श्री सी.एस. ठाकुर, सुरक्षा अधिकारी श्री आर.के. साहू सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

हिन्दी शब्दकोष पहेली स्पर्धा का आयोजन

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी के मानव संसाधन विभाग द्वारा "हिन्दी शब्दकोष पहेली" स्पर्धा का आयोजन 16 सितम्बर को किया गया।

स्पर्धा के विजयी प्रतियोगियों को पॉवर होल्डिंग-वितरण कपंनी के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री पी.के. अग्रवाल ने पुरस्कृत किया। उन्होंने राष्ट्र भाषा हिन्दी को सरल एवं प्रभावी भाषा बताते हुये पुरस्कृतजनों को बधाई दी। हिन्दी शब्दकोष पहेली स्पर्धा में कार्यपालन अभियंता श्री मुस्ताक अहमद को प्रथम, प्रबंधक श्री पी.के. कोमेजवार सहित सतीश चन्द्र पिठवे, गिरीश कुमार शर्मा एवं श्रीमती मनीषा डे को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

स्पर्धा के संयोजक उपमहाप्रबंधक (जनसम्पर्क) श्री विजय मिश्रा ने हिन्दी के महत्व को बढ़ावा देने संबंधी विचारों की भागीदारी दी। कार्यक्रम में उपमहाप्रबंधक (औद्योगिक संबंध) श्री जी. खण्डेलवाल, सहायक प्रबंधक श्रीमती प्रगति ओक, प्रशासनिक अधिकारी श्रीमती मल्लिका केरकेटा सहित बड़ी संख्या में विभागीय अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे।

अंतर्क्षेत्रीय शतरंज एवं कैरम स्पर्धा जगदलपुर में संपन्न

केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद, रायपुर के तत्वाधान में अंतर्क्षेत्रीय शतरंज एवं कैरम स्पर्धा जगदलपुर में दिनांक 17 से 19 सितम्बर 14 तक संपन्न हुई. स्पर्धा में छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनीज के सभी आठ अधिकृत क्षेत्रों के खिलाड़ी अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा भाग लिया गया। शतरंज स्पर्धा के पुरूष वर्ग के टीम इवेन्ट में रायपुर क्षेत्र विजेता रहा जबकि उपविजेता कोरबा (पूर्व) की टीम रहीं। महिला वर्ग के टीम इवेन्ट में रायपुर केन्द्रीय कार्यालय की टीम विजेता रहीं। व्यक्ति गत स्पर्धा में रायपुर क्षेत्र के श्री एन.के.शर्मा प्रथम एवं श्री एन.के. तिवारी द्वितीय स्थान पर तथा कोरबा पूर्व के श्री एम.सी.सोनी तृतीय स्थान पर रहे। महिलाओं की व्यक्ति गत स्पर्धा में केन्द्रीय कार्यालय रायपुर की श्रीमती भारती फै रो प्रथम स्थान पर तथा कोरबा पश्चिम की श्रीमती मालती जोशी द्वितीय स्थान पर रही। कैरम स्पर्धा में टीम चैंपियनषिप में बिलासपुर क्षेत्र की टीम विजेता रही जबकि रायपुर क्षेत्र की टीम उपविजेता रही। पुरूषों की एकल स्पर्धा में बिलासपुर क्षेत्र के श्री एस.के.मोदी ने प्रथम तथा कोरबा पूर्व के श्री आलोक गुहा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। महिलाओं की एकल स्पर्धा में कोरबा पूर्व की श्रीमती संध्या गोस्वामी विजेता रही जबकि श्रीमती सर्वरी मोईत्रा उपविजेता बनी।

स्पर्धा का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह जगदलपुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री आर.बी.त्रिपाठी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। श्री त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में खिलाड़ियों के उत्कृष्ट खेल की प्रशंसा करते हुए विजेताओं को बधाई दी। समारोह में अधीक्षण अभियंता श्री एम.के.सिन्हा, श्री यू.आर.मिर्चे, श्री पी.के.शुक्ला, श्री आई.एल.देवांगन सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री डी.के. डुम्भरे कल्याण अधिकारी द्वारा किया गया।

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में हिन्दी सप्ताह का आयोजन

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में हिन्दी सप्ताह का आयोजन किया गया. इस दौरान कार्यपालक निदेशक श्री ओ.सी.कपिला, अति.मुख्य अभियंता श्री एन.के.बिजोरा ने प्रशासनिक कार्यों के संपादन में हिन्दी के अधिकाधिक उपयोग पर जोर दिया। हिन्दी सप्ताह के समापन-पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि श्री ए.के.व्यास ने हिन्दी के उपयोग के दौरान आने वाली कठिनाइयों के निदान पर प्रकाश डाला।

हिन्दी सप्ताह के अन्तर्गत "हिन्दी सेवा, राष्ट्र सेवा" विषय पर भाषण, प्रशासनिक कार्यप्रणाली, नारा व कविता स्पर्धा का आयोजन किया गया, साथ ही प्रश्न मंच के अन्तर्गत अधीक्षण अभियंता श्री ए.डी. शर्मा द्वारा हिन्दी विषयक रोचक एवं ज्ञानवर्धक प्रश्न पूछा गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के निर्णायकों की भूमिका का निर्वहन श्रीमती अल्का दवे, श्रीमती सुषमा सिन्हा, श्रीमती गायत्री शर्मा एवं श्रीमती प्रतिभा अग्रवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन कल्याण अधिकारी श्री आर.एस.रात्रे ने तथा आभार प्रदर्शन वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री पी.के.दवे द्वारा किया गया।

नारा प्रतियोगिता में सर्वश्री अभिनय एक्का, राजेश चौधरी, महंत शर्मा, कविता स्पर्धा में दयालशरण अग्निहोत्री, अविनाशधर शर्मा, एस.डी.कुलदीप, भाषण प्रतियोगिता में कमलेश ठाकुर, दयाल शरण अग्निहोत्री, अविनाशधर शर्मा, प्रशासनिक कार्यप्रणाली प्रतियोगिता में दयालशरण अग्निहोत्री, डॉ.रूपेन्द्र कुमार साहू, आर.के.वर्मा, वर्गपहेली प्रतियोगिता में श्रीमती ज्योति वर्मा, श्रीमती चंद्रकांता साहू, डॉ. रूपेन्द्र कुमार साहू क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे।

डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह में 'हिन्दी सप्ताह' सम्पन्न

डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह में दिनांक 16 से 22 सितम्बर 14 तक 'हिन्दी सप्ताह' आयोजित किया गया। हिन्दी सप्ताह का शुभारंभ श्री एम.एस.कंवर, कार्यपालक निदेशक (उत्पा.) के मुख्य आतिथ्य एवं श्री कुर्तीकुमार की अध्यक्षता में तथा विशिष्ट अतिथि श्री राजेश वर्मा अधीक्षण यंत्री (यांत्रिकी सुधार), श्री आर.के.राय, मुख्य रसायनज्ञ, श्री जार्ज एक्का, अधीक्षण यंत्री (संधारण एवं योजना), श्री पी.के.जैन, अधीक्षण यंत्री (वि.परी.एवं उप.) एवं स्नेहलता एक्का द्वारा द्वीप प्रज्जवल्लित कर किया गया। उद्घाटन समारोह में सप्ताह भर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा समय एवं स्थान के संबंध में जानकारी दी गई।

हिन्दी सप्ताह के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगितायें आयोजित हुई, जिसमें शुद्धलेखन, नारा, कविता, वर्ग पहेली, हिन्दी प्रशासनिक कार्यप्रणाली एवं हिन्दी प्रश्नमंच प्रमुख रहा। हिन्दी सप्ताह के समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्ररिणाम घोषित कर विजेताओं को सम्मानित किया गया। प्रतियोगिताओं में विजेताओं के नाम इस प्रकार हैं- शुद्धलेखन प्रतियोगिता में अधिकारी-कर्मचारी वर्गः- श्री रमेश कुमार महतो, लेखाधिकारी प्रथम, श्री नरेन्द्र कुमार देवांगन, संरक्षा अधिकारी द्वितीय, श्रीमती स्मृति राठौर, सहा. अभियंता (सैप), तृतीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार ठेका श्रमिक वर्गः- कु. अंजली कुर्रे प्रथम, कु.लक्ष्मी घाटगे द्वितीय, कु.कौशल्या ध्रुर्वे तृतीय स्थान पर रहे। नारा प्रतियोगिता में अधिकारी-कर्मचारी वर्गः- श्रीमती अर्चना जोशी, कार्या.सहा.श्रेणी-दो प्रथम, श्री विनोद कुमार त्रिवेदी, अनु. अधिकारी द्वितीय, श्री एन.पी.कौशिक, कार्या.सहायक श्रेणी-दो तृतीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार ठेका श्रमिक वर्गः- कु. दुर्गा ठाकुर प्रथम, कु.लक्ष्मी घाटगे द्वितीय, कु. सरिता ध्रुर्वे तृतीय स्थान पर रहे। कविता प्रतियोगिता में अधिकारी-कर्मचारी वर्गः- श्रीमती सुनंदा सोनी, कार्या. सहा.श्रेणी-दो प्रथम, श्रीमती अर्चना जोशी, कार्या.सहा.श्रेणी-दो द्वितीय, श्री रणधीर कपूर, कार्या. सहा.श्रेणी-दो तृतीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार ठेका श्रमिक वर्गः- कु.दुर्गा ठाकुर प्रथम, कु.लक्ष्मी घाटगे द्वितीय स्थान पर रहे।

इसी तरह, वर्ग पहेली प्रतियोगिता में अधिकारी-कर्मचारी वर्गः- श्रीमती अर्चना जोशी, कार्या.सहा. श्रेणी-दो प्रथम, श्री विनोद त्रिवेदी, अनु. अधिकारी द्वितीय, वंदना ठाकुर, कनिष्ठ अभियंता तृतीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार ठेका श्रमिक वर्गः- कु.कौशल्या ध्रुर्वे प्रथम, कु.दुर्गा ठाकुर द्वितीय, कु. सरिता ध्रुर्वे तृतीय स्थान पर रहे। हिन्दी प्रशासनिक कार्य-प्रणाली प्रतियोगिता में अधिकारी-कर्मचारी वर्गः- श्री ए.के.अंजय, कार्या.सहा.श्रेणी-दो प्रथम, श्री एन.पी.कौशिक, कार्या.सहा.श्रेणी-दो द्वितीय, श्री प्रेमजी पटेल, मुख्य संरक्षा अधि. तृतीय स्थान पर रहे। प्रश्न मंच का संचालन श्री देवेश दुबे, वरिष्ठ रसायनज्ञ द्वारा किया गया। अंतरराष्ट्रीय ओजोन परत संरक्षण दिवस दिनांक 18.09.2014 को स्लाइड का प्रदर्शन कर किया गया।

हिन्दी सप्ताह के सफल आयोजन में हिन्दी परिषद के अध्यक्ष श्री कुर्ती कुमार, सचिव श्रीमती लखनी साहू, एवं समस्त सदस्यों एवं विभागों का योगदान प्रशंसनीय रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती लखनी साहू, सचिव हिन्दी परिषद एवं संयोजन एवं आभार प्रदर्शन कल्याण अधिकारी श्री पी.आर.खुण्टे द्वारा किया गया।

राजनांदगांव क्षेत्र में हिन्दी दिवस का आयोजन

राजनांदगांव क्षेत्र के प्रशासनिक भवन में हिन्दी दिवस पर विभिन्न प्रतियोगितायें एवं विचार गोष्ठियों का आयोजन किया गया। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री मधुकर जामुलकर ने हिन्दी की महत्ता को प्रतिपादित किया। उन्होंने कहा कि विद्युत कंपनी के अधिकाधिक कार्य हिन्दी में ही होते हैं। उपभोक्ताओं के साथ संवाद का माध्यम भी हिन्दी ही है। यह हमारे लिए गर्व का विषय है।

हिन्दी भाषा संबंधी प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागी सर्वश्री एस.के.बरब्शी, आर.के.मिश्रा, श्री वशीले, श्रीमती हेमा साहू, श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव, श्री के.के.देवांगन पुरस्कृत किये गये। हिन्दी पखवाड़े का संचालन कल्याण अधिकारी श्री अशोक पिल्लई द्वारा किया गया।

हसदेव ताप विद्युत गृह में स्वच्छ भारत अभियान में श्रमदान

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में कार्यपालक निदेशक श्री ओ.सी.कपिला के नेतृत्व में स्वच्छता की शपथ लेकर अधिकारियों-कर्मचारियों ने स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत श्रमदान कर सफाई कार्य में अपनी भागीदारी दी। उपस्थितजनों को श्री कपिला ने सार्वजनिक स्थलों सहित अपने कार्यस्थल को स्वच्छ रखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। इसका निर्वहन करके स्वच्छ भारत की कल्पना को साकार करने सभी आगे कदम बढ़ाये। इस अवसर पर अति.मुख्य अभियंता श्री एन.के.बिजौरा एवं श्री एन.के.व्यास सहित श्रमदान में रत टीम ने विभिन्न आवासीय परिसरों की सफाई की।

राजनांदगांव क्षेत्र में राष्ट्रीय स्वच्छता दिवस

राजनांदगांव क्षेत्र के प्रशासनिक भवन में गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय स्वच्छता दिवस कार्यक्रम में मुख्य अभियंता श्री प्रहलाद सिंह ने अधिकारियों कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के प्रति जागरूकता हर भारतीय नागरिक की पहचान बननी चाहिये। अतः यह अभियान एक दिन तक सीमित न होकर के सदैव सतत जारी रहना चाहिये। स्वच्छता केा बनाये रखने के लिए जन-जन को प्रेरित करने का कार्य भी हमें करना चाहिये। इस अवसर पर अति.मुख्य अभियंता श्री मधुकर जामुलकर सहित अन्य अधिकारियों कर्मचारियों ने प्रशासनिक भवन की साफ-सफाई एवं जंगली खरपतवार की कटाई में अपनी भागीदारी दी।

जगदलपुर क्षेत्र में स्वच्छ भारत अभियान

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर राष्ट्रीय स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम के तहत जगदलपुर क्षेत्रीय कार्यालय प्रांगण में स्वच्छता संबंधी शपथ एवं सफाई अभियान चलाया गया।

अभियान की शुरुआत मुख्य अभियंता श्री आर.बी. त्रिपाठी ने सभी को शपथ दिला कर की। उन्होंने स्वच्छता अभियान को निरंतर एवं गति प्रदान करने के उद्देश्य से प्रत्येक माह के अंतिम शनिवार को दो घंटे सफाई अभियान चलाने की बात कही। क्षेत्र के अन्य स्थानों पर भी सफाई अभियान के तहत अधिकारियों-कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

अंतर्क्षेत्रीय शतरंज प्रतियोगिता में रायपुर क्षेत्र को मिला चैम्पियन का खिताब

केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वावधान में जगदलपुर खेल क्षेत्र द्वारा 17 से 19 सितम्बर 2014 तक आयोजित अन्तर्क्षेत्रीय शतरंज एवं कैरम प्रतियोगिता में रायपुर क्षेत्र द्वारा शतरंज प्रतियोगिता में कोरबा पूर्व की मजबूत टीम के विरूद्ध विजयी होकर टीम चैम्पियनशिप का खिताब अपने नाम किया.

अंतर्क्षेत्रीय कैरम प्रतियोगिता में रायपुर क्षेत्र को उपविजेता होने का गौरव प्राप्त हुआ. समूचे छत्तीसगढ़ से कुल आठ टीमों के बीच स्पर्धा का आयोजन सम्पन्न हुआ. प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि श्री आर.बी.त्रिपाठी मुख्य अभियंता जगदलपुर क्षेत्र के हाथों पुरस्कृत होने वाले खिलाड़ियों मे शामिल एन.के. शर्मा, एन.के. तिवारी. डी.के.राव अमिय कुमार कटकवार और मैनेजर प्रकाश तललवार थे. अखिल भारतीय

विद्युत क्रीड़ा नियंत्रण मण्डल द्वारा आयोजित अखिल भारतीय शतरंज प्रतियोगिता हेतु छ.रा.विद्युत कम्पनी को प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों में शामिल कुल पाँच प्रतिभागियों में रायपुर क्षेत्र से तीन खिलाड़ियों का चयन किया गया है. क्रम अनुसार खिलाड़ी एन.के.शर्मा उपकेन्द्र सम्भाग (डोमा), रायपुर, एन.के.तिवारी क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर, एम.सी.सोनी कोरबा पूर्व, डी.के.राव रायपुर तथा विजय डहरिया कोरबा पूर्व शामिल हैं.

कैरम प्रतियोगिता के उपविजेता टीम में रायपुर क्षेत्र से खिलाड़ी मुरारी बोयर, ईदरीश अली, अनिल अग्रवाल, प्रहलाद यादव, धन्ना प्रसाद और शिव कुमार शामिल थे. शंकर नायडू टीम के मैनेजर थे. ऑल इण्डिया टूर्नामेंट हेतु रायपुर क्षेत्र के खिलाड़ी मुरारी बोयर का चयन किया गया है.

कार्यपालक निदेशक रायपुर क्षेत्र श्री एम.एल. मिश्रा ने बधाई देते समय खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि लगातार चैम्पियनशिप का खिताब जीतना अपने आप में मिसाल कायम करना है. इस अवसर पर क्षेत्रीय मुख्यालय रायपुर के अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री जे.एस.नेताम, अधीक्षण अभियंता श्री पी.एस.यादव, जी.एल.चन्द्रा, कल्याण अधिकारी श्री दीनानाथ वर्मा, एवं अधिक संख्या में कर्मचारी अधिकारी उपस्थित थे.

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित मंगलयान 24 सितम्बर 2014 को सफलतापूर्वक मंगल ग्रह पर पहुंच गया।

» मंगल यान 15 महीने में बनकर तैयार हुआ। इस यान का द्रव्यमान (मास) 500 किलोग्राम है। यह भारत का पहला इंटरप्लैनेटरी मिशन है। इस यान के सफलतापूर्वक मंगल की कक्षा में स्थापित हो जाने के बाद मार्स पर अपने उपग्रह भेजने वाला भारत विश्व का चौथा और एशिया का पहला देश बन गया है।

» भारत विश्व का पहला ऐसा देश है, जिसने पहले ही प्रयास में सफलतापूर्वक मंगलयान को मंगल की कक्षा में स्थापित कर दिया। इस यान को बनाने में मात्र 454 करोड़ रूपए का खर्च आया। यह अब तक का सबसे सस्ता इंटरप्लैनेटरी मिशन है।

» मंगल यान को धरती से मंगल ग्रह तक पहुंचने के लिए 780,000,000 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ा। इस दूरी को तय करने में 298 दिन का समय लगा।

» मंगल ग्रह से मंगल यान को धरती पर इनफॉर्मेशन भेजने में 14 मिनट लगते है।

» मंगल यान 72 घंटे में मंगल ग्रह का एक चक्कर लगाता है।

» मंगल यान को मंगल पर भेजने का मुख्य उद्देश्य वहां मिथेन गैस को खोजना है। यह यान वहां पानी का पता भी लगाएगा। इसके साथ ही इस यान को मंगल पर भेजने का उद्देश्य देश के 'रॉकेट वॉल्व फ्रेमवर्क' शटल बिल्डिंग और ऑपरेशंस कैपेसिटीज को शोकेस करना भी है।

मंगलयान को मंगल की कक्षा में स्थापित करने में भारत सफल

जगदलपुर क्षेत्र में राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर्गत 'सी एण्ड डी' श्रेणी कर्मचारियों को प्रशिक्षण

जगदलपुर स्थित क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र 'सी एण्ड डी' श्रेणी के लाईन कर्मचारियों हेतु राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत चार दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन 25 से 28 अगस्त 14 तक किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ जगदलपुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री आर. बी.त्रिपाठी ने प्रशिक्षणार्थियों से प्रशिक्षण में बतायी जाने वाले विषयों को आत्मसात करने एवं अपने अन्य साथियों के बीच प्रचारित करने पर बल दिया। प्रशिक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंतागण सर्वश्री ए.के.ठाकुर, पी.एन. सिंह, टी.के.ठाकुर, एन.एस.विष्ठ आदि ने व्याख्यान दिये। इस अवसर पर श्री त्रिपाठी द्वारा प्रशिक्षणार्थियों से प्रशिक्षण में पढ़ाये गये विषयों पर चर्चा करते हुये कुछ प्रश्न भी पूछे गये एवं विस्तार से समझाया गया। कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अभियंता श्री त्रिपाठी एवं अधीक्षण अभियंता श्री एम.के.सिन्हा सहित अन्य अधीक्षण अभियंतागण श्री पी.के.शुक्ला, श्री यू.आर.मिर्चे, एवं श्री आई.एल.देवांगन भी उपस्थित थे।

महासमुंद में बिजली कर्मियों हेतु कर्मचारी विकास प्रशिक्षण शिविर

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कम्पनी मर्यादित महासमुंद सम्भाग में शून्य दुर्घटना के लक्ष्य पर केन्द्रित सुरक्षा, तनाव, समय प्रबंधन, मोटिवेशन, अति आत्मविश्वास जैसे जटिल मानवीय भूलों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु दो दिवसीय योग एवं कर्मचारी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उप महाप्रबंधक (औसं) श्री गोपाल खण्डेलवाल तथा केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा मण्डल रायपुर के क्षेत्रीय निदेशक श्रीमती किरण मलिक खत्री, अधीक्षण अभियंता महासमुंद वृत्त श्री टी.आर.धीवर की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यपालन अभियता संचा.संधा. सम्भाग महासमुंद श्री के.सी.साहूकार ने दो दिवसीय कर्मचारी विकास प्रशिक्षण में मिली जानकारी को अपने कार्य क्षेत्र में अमल में लाने के साथ ही अपने निकटस्थ कर्मियों में बांटने की बात कहीं। केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा मण्डल रायपुर के श्रमिक शिक्षा अधिकारी श्री अरविंद एस.धुर्वे और रायपुर क्षेत्र के कल्याण अधिकारी श्री दीनानाथ वर्मा द्वारा तनावमुक्त जीवन व शून्य दुर्घटना आधारित प्रशिक्षण दिया गया।

शिविर में सुरक्षा, सजगता, सकारात्मक सोच, मोटिवेशन तथा तनाव से मुक्ति के गुर प्रोजेक्टर के माध्यम से सुगम तरीके से प्रशिक्षणार्थियों को सिखाया. प्रोजेक्टर संचालन में श्री प्रशांत गजभिये की भूमिका सराहनीय रही. शिविर के समापन अवसर पर श्री धीवर ने कहा कि बिजली कर्मियों का जीवन मूल्यवान है। बिजली कर्मी अति संवेदनशील संस्थान के कार्य का निष्पादन कर आम नागरिकों की सेवा करते हैं। ऐसे प्रशिक्षणों से कार्य की गुणवत्ता में सुधार होता है।

श्री के.एन. मूर्ति कार्यपालन यंत्री ने भी षिविर में उपस्थित कर्मचारियों को शून्य दुर्घटना पर संबोधित किया। शिविर में संचा.संधा. सम्भाग महासमुंद के महासमुंद शहर एवं ग्रामीण, पिथौरा, तुमगाँव, कोमाखान, बागबाहरा, खल्लारी, तेन्दूकोना, झलप वितरण केन्द्रों के 35 अधिकारी/कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन रायपुर क्षेत्र के कल्याण अधिकारी श्री दीनानाथ वर्मा द्वारा किया गया।

परिचयावली...

श्री अजय कुमार दुबे

कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा)

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत ट्रेडिंग कंपनी मर्यादित रायपुर में कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) के पद पर सेवारत श्री अजय कुमार दुबे का छत्तीसगढ़ विद्युत मण्डल के शुरूआती चरण में वित्त विभाग के कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए विशेष योगदान रहा है। संस्था के कार्यालयीन कार्यों को सफलतापूर्वक संचालित करते हुए आई.आई.एम. रायपुर में फेलोशिप कार्यक्रम के तहत् फाइनेंशियल मैनेजमेंट में आप शोध कर रहे है।

कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) जैसे शीर्ष पद पर पदस्थ श्री दुबे का जन्म 20 जनवरी 1963 को राजनांदगांव में हुआ। संस्कारवान सामाजिक एवं परिवारिक वातावरण में आपको अपनी माता श्रीमती मीरा देवी दुबे एवं पिता स्व. ब्रह्मानंद दुबे के आदर्शों से जीवन में अनवरत आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। आपने वर्ष 1979 में हायर सेकण्डरी तथा वर्ष 1984 में बी.ई. (सिविल) की उपाधि तत्कालीन जी.सी.ई.टी. (वर्तमान एनआईटी रायपुर) से प्राप्त की।

विद्या अध्ययन की पूर्णता के उपरांत वर्ष 1985 में आपने अपने कैरियर की शुरूआत सहायक अभियंता(प्रशिक्षु) के पद पर जबलपुर/ बोधघाट परियोजना बारसूर से की। आगे आपको सहायक अभियंता के पद पर नियमित नियुक्ति के साथ वर्ष 1993 तक जबलपुर, सिविल डिजाइन सेल/मेम्बर (सिविल) कार्यालय में कार्य करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। सामान्य से हटकर अपने जीवन में कुछ विशेष करने की आपकी ललक आपको अनवरत् ऊँचा लक्ष्य रखने और अर्जित करने के लिए प्रेरित करती रही, फलस्वरूप अपनी सेवायात्रा में आपने वित्त के क्षेत्र में नया मार्ग प्रशस्त किया। वर्ष 1993 में आपको मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल जबलपुर में वरिष्ठ लेखाधिकारी तथा वर्ष 1998 में सहायक प्रमुख (वित्त एवं लेखा) के पद पर कार्य करने का सुफल प्राप्त हुआ।

आपकी कार्यदक्षता की श्रेष्ठता का मूल्यांकन करते वर्ष 2005 में अतिरिक्त निदेशक के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई। इन पदों पर आपकी पदस्थापना छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल मुख्यालय रायपुर में की गई। इन पदों पर आपने वित्त विभाग के कार्यों के सुचारू संचालन हेतु विशेष परिश्रम की अपनी प्रवृत्ति को उत्कृष्ट कार्यों के माध्यम से प्रदर्शित किया। इसका आंकलन करते हुये वर्ष 2008 में आपको निदेशक एवं आगे वर्ष 2010 में कार्यपालक निदेशक (वित्त/लेखा) के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई। उच्च शिक्षा के प्रति अपनी अभिरूचि को बनाये हुये आपने पी.जी.डी.एम. (फाइनेंस) एमडीआई गुड़गांव से किया तथा फेलोशिप इन मैनेजमेंट, आई.आई.एम.रायपुर से शिक्षा अर्जित कर रहे हैं। तकनीकी, वित्त क्षेत्रों के अलावा संगीत, साहित्य, फिल्म-खेलकूद एवं मानवीय संभावनाओं पर आपकी विशेष रूचि है। अपनी इन्हीं रूचियों के साथ आपने लगभग 30 वर्षों की सेवायात्रा को पूर्ण करते हुये मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के विद्युत विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है। पॉवर कंपनी में खेल-कला गतिविधियों के संचालन हेतु केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के पदाधिकारी भी आप रहे हैं।

सदाचार

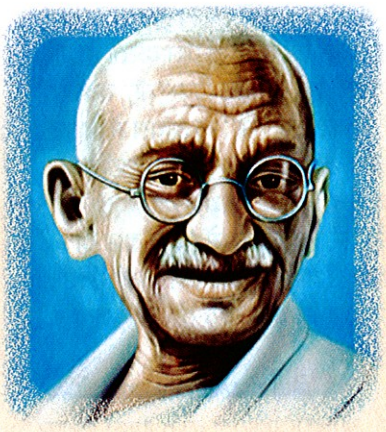

एक बार गांधीजी बंबई मेल से तीसरे दर्जे में यात्रा कर रहे थे। उन्होंने देखा कि एक यात्री को बार-बार खांसी आ रही है। वह व्यक्ति जोर-जोर से खांसता तो था, किन्तु समीप ही नीचे थूकता जाता था। बापू दो बार शांत बैठे रहे, किन्तु वह व्यक्ति जब तीसरी बार थूकने लगा तो उन्होंने अपने हाथ उसके मुख के नीचे रख दिये, जिससे सारा कफ उनके हाथों में गिर पड़ा। बापू ने फौरन उसे डिब्बे के बाहर फेंककर हाथ धो डाले। यह देख वह यात्री अत्यंत ही लज्जित हुआ और उसने गांधीजी से क्षमा मांगी। तब उन्होंने उसे समझाते हुए कहा, ''देखो भाई, यह गाड़ी अपनी ही है। यदि इसका दुरूपयोग करोगे तो हानि अपनी ही होगी। दूसरे, गाड़ी के अन्दर थूकने से बीमारी दूसरों तक फैलने की आशंका रहती है, इसलिए मैंने तुम्हारे कफ को वहां गिरने न दिया''।

आदर्शिनी महिला मण्डल ने मनाया शरद पूर्णिमा

आदर्शिनी महिला मण्डल, रायपुर द्वारा नवपद-स्थ पदाधिकारियों के साथ शरद पूर्णिमा उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। क्लब की अध्यक्षा श्रीमति किरण सिंह ने द्वीप प्रज्जवलित कर कार्यकम का शुभारंभ किया। इसके अन्तर्गत समूह नृत्य, मोनोप्ले, कर्णप्रिय गीत तथा गरबा नृत्य की प्रस्तुति महिला क्लब की सदस्यों द्वारा दी गई। कार्यक्रम के अंत में सचिव श्रीमती दीपा चौधरी ने आभार प्रदर्शन किया।

आदर्शिनी महिला मण्डल के पदाधिकारीगणः श्रीमती रेखा शिवराज सिंह-संरक्षिका, श्रीमती किरण सिंह-अध्यक्षा, श्रीमती दीपा चौधरी- सचिव, श्रीमती रीता गुप्ता-सहसचिव, श्रीमती बीना गुप्ता-कोषाध्यक्ष, श्रीमती कुमकुम जैन-सह कोषाध्यक्ष, श्रीमती आभा शुक्ला-सांस्कृतिक सचिव, श्रीमती ममता मिश्रा, श्रीमती नीलम भादे एवं श्रीमती सोनिया बघेल-सह सांस्कृतिक सचिव, श्रीमती ममता टिकरिहा, श्रीमती सीमा परिहार-भंडार गृह प्रभारी, श्रीमती सुषमा सिंह, श्रीमती मंजू भंडारी एवं श्रीमती वंदना तेलंग - महिला मंडल द्वारा संचालित 'पालना घर' प्रभारी।

''माँ'' शब्द ही ऐसा है जो सुखद अनुभव कराता है। नारी को आदिशक्ति कहा जाता है, नारी के तीन रूप ''कन्या'', ''पत्नी'' और ''माँ'' है। कन्याः-कन्या याने जब तक लड़की अपने माँ-पिताजी के पास रहकर पढ़-लिखकर यौवन अवस्था में जाती है, घर आंगन को छोड़कर यौवन होने पर ब्याही जाती है। पत्नी : यौवनावस्था पूर्ण कर शादी होने पर वह किसी की पत्नी बनकर दूसरों के घर जाकर अनजान रिश्तों को अपनाकर सर्वस्व मानकर सम्मान के साथ वह किसी की जीवन संगिनी बन आदर्श बहू का दर्जा प्राप्त करती है। माँ : गृहस्थ जीवन में सुखमय जीवन व्यतीत करते हुये वह एक दिन ''माँ'' बन जाती है, जीवन में नवशिशु आगमन से खुशियां आ जाती है। ''माँ'' के आंचल में शिशु का लालन-पोषण, स्नेह भरी थपकियों से लोरी सुनाना, अंगुली पकड़कर चलना सिखाना, संस्कार एवं शिक्षा देना भी तो ''माँ'' के कर्तव्य के साथ वह बेटी की बिदाई करती है और वह पुनः अपने घर-आंगन को छोड़कर नव समाज में ''माँ'' द्वारा दी गई शिक्षा, संस्कार, सम्मान आदि को प्राप्त कर श्रेष्ठ नारी का दर्जा प्राप्त करती है। अतः कन्या जन्म को श्रेष्ठ माना जावे, उसे नयनांजन भी कहा जाये तो ''माँ'' शब्द की गरिमा ही निराली है।

नैना चोबल, कार्या, सहा. श्रे.- दो
कार्या. अधीक्षण अभियंता (न.वृ.-एक), रायपुर

चिन्तन

"समाज सेवा"

अपने दुखों में रोने वाले,
मुस्कुराना सीख ले।
और के दुख दर्द में,
आंसू बहाना सिख ले।।
अपने खाने में नहीं मजा,
जो औरों का खिलाने में।
चार दिन की जिन्दगी है,
किसी का काम आना सिख ले।।

समाज सेवा - तन, मन, धन से किया जा सकता है। जैसा कि.....

तन से - अपने पुरूषार्थ से सामाजिक या किसी व्यक्ति का कार्य करना एवं कठिन परिस्थिति में साथ देना। उसमें आपके प्रति करूणा भाव जगे। सामाजिक कार्य करने वाले लोग जानते हैं तथा हर कार्य में उनको सहभागिता बनाना चाहते हैं। तन की सेवा सर्वोत्तम सेवा है।

मन से - विचार करके हम अच्छे मागदर्शन समाज को या किसी व्यक्ति को दे सकते है। जैसे कि चरित्र निर्माण अच्छे खान-पान, रहन-सहन हमारे मन में कई प्रकार के भला, बुरा, विचार उत्पन्न होते रहते है जिसके कारण ज्ञान, अज्ञान को न समझ कर व्यक्ति का पतन हो जाता है। जिसे मन में अच्छे ज्ञान देकर उसे बचाया जा सकते है। मन को अच्छे सोच एवं अच्छे कार्य में लगाया जा सकता है।

धन से - आज के युग में धन का अत्यंत महत्व है। जैसे कि धन के द्वारा हर दिन दुखियों की सहायता कर सकते है तथा समाज सेवा हेतु - धर्मशाला, पियाऊ, स्कूल, चिकित्सालय बनवा सकते हैं या विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में अध्यापन के लिए सहयोग करना उत्तम सेवा है। हमें धन के द्वारा यथासंभव सहयोग करना चाहिये। जो देता है, वहीं पाता है। अंत में दो पंक्ति ...

चले गये वो लोग, जिनके महल हवेली थे।
सिकन्दर भी चले गये, जिनके हाथ खाली थे।।

नत्थू लाल यादव
वाहन चालक
कर्मशाला एवं गैरेज संभाग
कोरबा पश्चिम

गुनी के गोठ

भाखा मा गोठ

नंदगहिन दाई ह जब देखबे तब ठेठ छत्तीसगढ़ही म गोठियाथे, फेर रंग रंग के हाना पारे के सेती ओखर सरी बात ल समझे म जादा देर नई लागय।

एक बेर मे ह, नंदगहिन दाई ल केहेव कि तुमनह, त कहिथौ कि मेहा मास्टर के बेटी आवं, अऊ मोर मइके म फर्राटा हिन्दी म भाई बाप मन संग हमुमन बोलथन, फेर दाई मेह त सबर दिन तुमनला छत्तीसगढ़ही च म गोठियावत सुनथव, मोर अतका कहात होईस कि दाई ह, मार, खलखला के हांसे ल धरलिस अऊ मे ह ऊखर आगु के चमचमावत दांत ल बक खाके देखे ल धरलेव, हांसी के थिराए के बाद दाई ह कहिथे, एक ठिया बात बताऔं नोनी, रमायण के दोहा - चौपाई ल तहुं जानत होबे भगवती, ऊहीं रामायण ह मोला मुहखरा सुरता हरय जानथस का पाय के, दाई के गोठ ल सुनत मे ह मिल्खी धरो नई मारेव, फेर हुरहा मने मन गुने ल धर लेंव कि काए बात कहातरेहव अऊ दाई ह ए गोठ ल कोन डहार झिक दिस, तभोले केहोव नई जानव दाई तिही बता दे, अब तंहा ले दाई ह

कहिनी केहे ल धर लिस, कि बेटी जब तुलसीदास हा रमायण लिखेल धरीस त उंखर जहुंरिया पण्डित मन भारी, अटका करे बर, धरलिन कि रमायण ल संस्कृते म लिखेल पड़ही कहिके, काबर कि ओ बखत म भागवत पुराण अऊ कथा कहानी ल संस्कृते म लिखे के विधान अऊ चलन रिहीस अऊ तइहाले केहे जथे कि संस्कृत ह सरस्वती के बानी हरय, तभो ले तुलसीदासजी ह रमायण ल अवधी अऊ हिंदी म मिंझरा लिखे ल लागीन, अऊ पण्डित मन ल किहिन कि महुजानथव राम कथा ल संस्कृत म लिखना चाही, फेर राम कथा हा मनखे ल जीवन जिए के रद्दा अऊ समाज के जिम्मेवारी बताथे त कहु रामकथा ल मे ह संस्कृत म लिखहुं तौ जम्मो मनखे के अंतस म नई अमाही, उहे कहुं उंखरे भाखा म लिखथौं तौ रामके चरित के महिमा हा घरोघर म देखे ल मिलही, जेहा लोगन मन बर मंगल कारी होही, इही पाय के एला अवधी अऊ हिंदी के संधरा लिखे बर धरेहव, अब जानेस बेटी कि हमर जानती भाखा बोली पाय च के ए चौपाई अऊ दोहा ह मोला मुहखरा सुरता हवय, ए कहिनी ल सुनते साठ मे ह ठक खाके दाई डहार देखते रहिगेंव, बोली के महत्तम के कतका बड़ भेद ल दाई ह, हरू बरोबर बता डरीस, आज मेहा जान गेंव कि हमर छत्तीसगढ़ी बोली अऊ इहां के सरल मइन्ता ल अवइया बेरा म घलो आरो देवाना हे, तौ हमुमन ल नंदगहिन दाई के रद्दा म रेंगेल लागही।

अऊ एला गुनते साठ में ह धरा रपटा अपन घर म लहुट के अपन बहु ल हांक पार के बला डरेंव, अऊ केहेव बेटी अंगना दुआरी ल मे ह लीपत हौं, तहां ले तेह चौक चंदन ल पुर के मइवा गड़िया डार, आज पुतरा-पुतरी के बिहाव अक्ति हरय, मोर गोठ ल सुनते बहुरिया ह मोर डहार अकबकाके देखे ल धर लिस जानो मानो अकरसहा बरसा होगे तैसे, अउ फेर मूच ले हांस दिस, काबर कि मेहा घर म कभु ओखर आगु म छत्तीसगढ़ही म बोलेच नई रेहेव, सबर बेरा हिंदी अऊ अंग्रेजी च ल सरपट बोलव इही गुने के संग कि मोला बने मान देही, फेर आज जब नंदगहिन दाई के गोठ ल सुनेव त मोर चेत ल चढ़े म थोर कोहो बेरा नई लागीस।

श्रीमती अनुरिमा शर्मा
पत्नी श्री एस.के. शर्मा, अति. महाप्रबंधक (वित्त)
छ.रा.पा.उ.क.म. रायपुर

कोरबा पूर्व में गुरूजनों का सम्मान

कोरबा पूर्व में शिक्षक दिवस पर विद्युत गृह विद्यालय के शिक्षकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में सर्वप्रथम सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके समक्ष दीप प्रज्जवलित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री एस.के.बंजारा, अधीक्षण अभियंता श्री बी.बी.पी.मोदी, ए.वी.कुलकर्णी एवं भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री मिश्रा द्वारा प्राचार्य श्री एम.एल.चंद्रा, पूर्व प्रधानाध्यापक श्री आर.एस.रावत को षाल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। आगे श्री बंजारा ने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि मानव समाज के कल्याण पथ प्रदर्शन एवं ज्ञान का संचार करने में गुरूजनों की भूमिका सर्वोत्तम रही हैं। कार्यक्रम में व्याख्याता श्री बसंत कुमार पाण्डे ने आभार प्रदर्शन एवं संचालन वरि.कल्याण अधिकारी श्री एस.पी.बारले तथा कार्यक्रम का संयोजन श्री आर. लकरा द्वारा किया गया।

महिनती बिजली कर्मचारी

चाहे कतको कड़कै बिजली,
अऊ कतको हो अधियारी।
घुप्प अधियार ल जगमग करये,
महिनती बिजली कर्मचारी।

खड़े मझनिया खम्भा म चढ़के,
बिजली ल बनाथे।
कलपत बिलखत जनता ला,
अब्बड़ सुख पहुंचाथे।
बिन डेराये कोनो अलहन ले, लाथे जेन उजियारी।
महिनती बिजली कर्मचारी।

भरे बरसाती म सीढ़ी धरके,
गली गली म फिरथे।
अपन सुख ल त्याग के संगी,
सबके दुख ल हरथे।
हरदम सेवा बर तत्पर रईथे, चाहे कतको हो लाचारी।
महिनती बिजली कर्मचारी।

दिनेश्वर राव जाधव
कार्या.सहा.श्रेणी-एक, कार्या. कार्यपालन यंत्री
(उपाग्रावि) नि.संभाग छ.रा.वि.वि.कं, बिलासपुर

पैर क्यों हिलाते हैं?

कुछ लोग अकारण पैर हिलाने लगते हैं। बैठे-बैठे पैरों के हिलाते रहना एक प्रकार की बीमारी कहलाती है। "जिसे रेस्ट लेस लेग्स सिंड्रोम" कहते हैं। इससे ग्रस्त व्यक्ति को पैरों को हिलाते रहने की इच्छा होती है जो खुद व्यक्ति के साथ ही दूसरों को तकलीफ दे देता है। प्रारंभ में लोग ऐसा अनजाने में करते हैं, जो बीमारी का रूप ले लेती हैं।

ऐसा अक्सर तब होता है जब व्यक्ति आराम की अवस्था में होता है। शुरूआत में तो यह सामान्य प्रतीत होता है लेकिन एक उम्र के पश्चात रेस्ट लेस लेग्स सिंड्रोम के कारण अवसाद, अनिंद्रा, चिंता और थकान जैसी बीमारियां भी हो सकती है।

आदर्शिनी महिला मण्डल ने "संजीवनी वृद्धाश्रम" को प्रदान की आवश्यक सामग्री

आदर्शिनी महिला मण्डल, छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी द्वारा सामाजिक एवं कल्याणकारी गतिविधियों का कुशल संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में महिला मण्डल ने संजीवनी वृद्धाश्रम को दैनिक दिनचर्या की आवश्यक सामग्री प्रदान की। क्लब की अध्यक्षा श्रीमती किरण सिंह ने बताया कि समाज में पीड़ित, असहाय, जरूरतमंद लोगों की मदद करना, सहानुभूति रखना महिला मण्डल का संकल्प है। इस अवसर पर उपस्थित क्लब की सचिव श्रीमती दीपा चौधरी, सहसचिव श्रीमती रीता गुप्ता, कुमकुम जैन, आभा शुक्ला, सोनिया बघेल, नीलम भादे, ममता मिश्रा, आशा शर्मा, ममता टिकरिया, मंजू भण्डारी, अन्नपूर्णा राजू, अंजू थवानी, शोभा सिंह, माधुरी वर्मा, बीना नंदा, वंदना तेलंग एवं अन्य सभी सदस्याओं ने वृद्धजनों के सुखमय जीवन की कामना की।

रायपुर क्षेत्र में सी एण्ड डी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

केन्द्रीय ग्रामीण विद्युतीकरण संस्थान, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के मध्य हुए "मेमोरेन्डम ऑफ एग्रीमेन्ट" के तहत रायपुर क्षेत्र के सी एण्ड डी कर्मचारियों के लिए 16 से 18 सितम्बर, 2014 तक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसमें अनुभाग अधिकारी एवं कार्यालय सहायक श्रेणी-एक स्तर के गैर-तकनीकी स्टाफ शामिल हुये। इसके पूर्व भी ऐसे पांच प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन टेक्नीकल ट्रेनिंग सेंटर रायपुर में आयोजित किये गये। 18 सितम्बर, 2014 को संपन्न हुये त्रिदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 25 प्रतिभागियों ने भागीदारी दी। प्रशिक्षण के दौरान अनुभवी अभियंता सर्वश्री बी.ए.देशमुख, संजीव सिंग, जी.एल.चंद्रा, एन.के.सिन्हा श्री बिम्बिसार एव श्रीमती सी.गिडवानी द्वारा वित्तीय प्रबंधन, भंडार लेखांकन तथा कार्यालय प्रशासन जैसे विषयों पर व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम के संयोजक श्री विजय कुमार शर्मा ने बताया कि आगे भी ऐसे प्रशिक्षण आयोजित किये जायेंगे। प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र, पेन ड्राइव एवं कोर्स किट भी वितरित किये गये।

मुहावरों को उनके सही अर्थ से मिलाएं

(1) पानी-पानी होना	(अ) साफ इन्कार कर देना
(2) अगर-मगर करना	(ब) तुच्छ लगना
(3) पानी में आग लगाना	(स) शांति भंग कर देना
(4) पानी भरना	(द) टाल-मटोल करना
(5) अंगूठा दिखाना	(य) शर्मिंदा होना

चिट्ठी आई है...

पॉवर कंपनी की गृह पत्रिका संकल्प माह जुलाई-अगस्त 2014 के प्रकाशित स्वतंत्रता दिवस अमर रहे में, उत्कृष्ट कार्य के लिए कंपनी के प्रकाषित कर्मचारी/अधिकारियों को हार्दिक बधाई संपादकीय में "सद्भावना से कार्यों में पारदर्शिता" शीर्षक की सार्थकता सिद्ध करने के लिये दिये गये दृष्टांत की रोचक एवं प्रेरणादायी प्रस्तुति पर आपको कोटिशः बधाई। आशा है, संकल्प के आगामी अंकों में इसी तरह के समसामयिक विषयों की प्रस्तुति पढ़ने को मिलेगी।

डी.पी.साहू
कार्या.सहा.श्रेणी-एक, कार्या. मुख्य अभियंता (राज. क्षेत्र)
छ.रा.वि.वि.कं.मर्या., राजनांदगांव

शुभकामना और बधाई...

भारत सदियों से ऋषि एवं कृषि संस्कृति प्रधान देश है और इन दोनों ही संस्कृतियों में पर्वों, त्योहारों एवं उत्सवों की प्रधानता है या कहें कि एक लम्बी श्रृंखला है, जिसे सभी भारतवासी हर्ष एवं उल्लास से मनाते हैं। इन अवसरों पर एक-दूसरे के सुखमय जीवन की कामना करते हैं और बधाई देते हैं। इससे एक ओर जहां रिश्तों एवं सम्बन्धों में प्रगाढ़ता व नवीनता आती है, वहीं नये रिश्ते एवं सम्बन्ध भी बनते हैं। हमारा सामाजिक दायरा बढ़ता है और हमें विभिन्न क्षेत्रों में बहुत सी नई जानकारी सीखने मिलती है।

इसी कड़ी में अभी-अभी हम सभी ने दीपों का त्योहार 'दीपावली' मनाये। दीपावली के पश्चात् जब कार्यालय लगा, तब सभी अधिकारी-कर्मचारी बड़े जोश एवं उमंग के साथ 'दीपावली की हार्दिक शुभकामनायें' कहते हुये एक-दूसरे से मिले और शुभकामनाओं का परस्पर आदान-प्रदान किये। बस-ट्रेन, टॉकीज, बाजार, पार्क, जलपान गृहों, चौक-चौराहों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों में भी 'दीपावली की हार्दिक शुभकामनायें' की गूंज लगभग एक सप्ताह तक रही।

असल में 'शुभकामना' किसी उत्सव, कार्यक्रम, त्योहार, शुभ एवं मांगलिक कार्य या योजना के पूर्व उसकी वृद्धि, सफलता या उन्नति के लिये दी जाती है, जबकि 'बधाई' किसी उपलब्धि, किसी कार्यक्रम की पूर्णता या सिद्धि के बाद या साथ-साथ दी जाती है। यद्यपि मोटे तौर पर 'बधाई' का अर्थ 'शुभकामना' मान लिया जाता है, और प्रायः समानार्थी शब्द के रूप में उपयोग किया जाता है; पर इनमें एक बड़ा अन्तर यह है कि 'बधाई' का सम्बन्ध विगत से वर्तमान तक रहता है जबकि 'शुभकामना' का सम्बन्ध वर्तमान से आगे अर्थात् भविष्य की ओर होता है। 'बधाई' जब दी जाती है तब वह अरबी में 'मुबारकबाद' और अंग्रेजी में 'कांग्रेचुलेशन' होती है और जब गाई जाती है, तब वह 'मंगलाचरण' या 'मंगल गीत' होती है। इसमें जिन्हें हम बधाई देते हैं, उनकी प्रसन्नता में अपनी प्रसन्नता को मिलाते हुये उसकी खुशी को द्विगुणित करते हैं। एक तरह से यह प्रगति, सफलता या उपलब्धि पर उनका अभिनन्दन भी होता है।

किसी मित्र या सगे-संबन्धी के यात्रा में प्रस्थान के अवसर पर 'आपकी यात्रा सुखमय हो' कहकर हम अपनी 'शुभकामना' व्यक्त करते हैं तथा यात्रा से लौटने के बाद सुखद यात्रा हेतु उन्हें 'बधाई' देते हैं। क्या उन्हें यात्रा से लौटने के उपरान्त भी 'आपकी यात्रा सुखमय हो' कहना उचित होगा? नहीं, बिलकुल नही; क्योंकि ऐसा कहकर हम हंसी के पात्र बन जायेंगे। तो फिर दीपावली के उपरान्त 'दीपावली की हार्दिक शुभकामनायें' कहना भी उचित प्रतीत नहीं होता। 'दीपावली की हार्दिक शुभकामनायें' दीपावली के पूर्व दी जानी चाहिये और दीपावली के उपरान्त 'बधाई'। इसी तरह किसी परिचित के किसी परीक्षा या नौकरी हेतु साक्षात्कार में जाने के समय उसे 'शुभकामना' देंगे और उसके चयन हो जाने के बाद उसे 'शुभकामना' नहीं अपितु 'बधाई' देंगे। किसी आसन्न-प्रसवा को स्वस्थ शिशु जन्म हेतु अपनी 'शुभकामनायें' देंगे और शिशु जन्म के उपरान्त 'हार्दिक बधाई'। कई बार बधाई और शुभकामनायें एक साथ दी जाती है, जैसे किसी नवविवाहित युगल को विवाह की 'बधाई' एवं 'सुखमय दाम्पत्य जीवन हेतु हार्दिक शुभकामनायें' एक साथ देंगे।

विद्युत सेवा भवन के प्रांगण में 1 जनवरी 2014 को नववर्ष मिलन समारोह के अवसर पर विद्युत कम्पनी के अध्यक्ष महोदय अपने सारगर्भित उद्बोधन में बीते वर्ष 2013 में विद्युत विकास के साथ-साथ श्रमिक शांति कायम रखने, विद्युत दुर्घटना दर न्यूनतम होने तथा विद्युत उत्पादन, पारेषण एवं वितरण के क्षेत्र में आई चुनौतियों का अपने अनुभव और सूझबूझ से सार्थक समाधान निकालने के लिये समस्त कर्मियों को 'कोटिशः बधाई' दिये थे। साथ ही, नये वर्ष 2014 में नव संकल्प एवं अपने समन्वित कार्य-संस्कृति से नई विद्युत परियोजनाओं एवं उपकेन्द्रों को निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने तथा विद्युत उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा उपलब्ध कराने में सफल होने के लिये समस्त कर्मियों को अपनी 'हार्दिक शुभकामनायें' प्रकट किये थे। इससे स्पष्ट है कि अध्यक्ष महोदय द्वारा विगत की उपलब्धियों के लिये 'बधाई' और भविष्य की योजनाओं के फलीभूत होने के लिये विद्युत कर्मियों को अपनी 'शुभकामनायें' दी गई।

यह सही है कि हमारा प्रयोजन स्पष्ट होता है, हमारी भावना पवित्र होती है और अवसर भी उपयुक्त होता है, किन्तु साथ-साथ यदि शब्द चयन में भी थोड़ी-सी सावधानी रखते हुये अपने भावों-विचारों को सही शब्दों के माध्यम से व्यक्त करें तो निश्चित् रूप से इससे शब्दों की महत्ता, उपयोगिता व सार्थकता बढ़ेगी। शब्दों के सही उपयोग से जहां हमें अपने भावों को उचित रीति से पहुंचाने की आत्मिक संतुष्टि मिलेगी वहीं आने वाली पीढ़ी को भी इस हेतु सही मागदर्शन मिलेगा।

कमलेश सिंह बनाफर
वरि. शीघ्रलेखक, कार्या. का.नि. (पारेषण), रायपुर

जरा हंस लें

इंजीनियरिंग के छात्र : सर हमने एक ऐसी चीज बनाई है, जिसकी सहायता से आप दीवार के आर-पार देख सकते हैं।
सर : वाह, क्या चीज है वह ?
छात्र : दीवार में छेद !
▪▪▪

एक शादीशुदा आदमी मंदिर में भगवान से पूछता है,
भगवान आपने बचपन दिया, फिर छीन लिया। ऐशो आराम दिया, फिर छीन लिया। पैसा दिया पर वह बर्बाद हो गया। फिर ये बीबी दी और अब उसे देकर भूल गए हैं क्या ?

गोलू - तेरी बीबी गुजर गई तो तुने अपनी साली से शादी क्यों कर ली ?
मोनू - अब नई सास को झेलने की हिम्मत मुझ में नहीं रही।
▪▪▪

सेहत रहे सलामत

पीलिया का सरल उपचार

दैनिक दिनचर्या के दौरान अनियमित खानपान, तनावपूर्ण जीवन के अलावा कसरत-व्यायाम, खेलकूद से बढ़ती दूरियों ने मानव समुदाय को अनगिनत रोग व्याधियों से ग्रसित कर रखा है। ऐसे ही एक रोग पीलिया का प्रकोप आये दिन बड़े पैमाने पर देखने-सुनने को मिलता हैं। इसके कारण, लक्षण, निदान को यथासमय जानकर इस रोग से छुटकारा पाया जा सकता हैं। इस संबंध में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर जनरेशन कंपनी में कार्यरत कार्यपालन अभियंता (सिविल) डॉ. सीताराम साहू द्वारा प्रेषित आलेख प्रस्तुत है।

लक्षण : 'शुरू में पेशाब पीला आने लगना, आंखों का सफेद भाग, नाखून चमड़ी, चमड़ी, नसों की जड़ तक सभी पीला हो जाता है। रोगी को पीला ही दिखने लगता है।

मूल कारण : यकृत (Liver) बिगड़ने पर पित्त सही ढंग से अवशोषित नहीं होता तथा रक्तमें मिलकर रक्तके स्वाभाविक रंग को बदल देता है। किसी कारण से पित्त की नली बंद हो जाती है और उसके कारण पित्त की धार रक्त में अवशोषित हो जाती हैं। यकृत का पित्त ही छोटी आंत में उतरकर खाद्य को पचाने में सहायक होता है किन्तु पित्त की नली के रूकावट होने पर रक्तके प्रत्येक कण को दूषित कर देता है।

रोग निवारण विधि :

आहार निर्धारण

1. **प्रातः नाश्ता :** भीगी किशमिश अथवा खरबूजा अथवा मौसमी चूसना अथवा गन्ना चूसना।
2. **दोपहर भोजन (1 बजे तक):** रोटी-भीगे किशमिश अथवा रोटी-खरबूजा अथवा रोटी-उबली सब्जी (तेल, घी, मसाले रहित)
3. **शाम का नाश्ता (यदि भूख हो):** भीगी किशमिश अथवा खरबूजा अथवा मौसमी चूसना अथवा गन्ना चूसना।
4. **रात्रि भोजन (7 बजे तक) :** रोटी-भीगे किशमिश अथवा रोटी-खरबूजा अथवा रोटी-उबली सब्जी (तेल, घी, मसाले रहित)

यौगिक उपचार

1. आसन - भुजंगासन, मत्स्य क्रीड़ासन, पश्चिमोत्तनासन, श्वासन।
2. शुद्धि क्रिया - कुंजर क्रिया।

प्राकृतिक चिकित्सा के उपचार

1. **पेट की गरम ठंडी सेंक :** सुबह एवं शाम (खाली पेट)
2. एनिमा (यदि पेट साफन होता हो)

ध्यान रखने योग्य विशेष बातें

1. इस रोग में उपवास बड़ा महत्वपूर्ण है किन्तु केवल पानी पर नहीं रह पाने की स्थिति में नीबू रस मिलाकर पानी लेना चाहिए अथवा सूखे आंवले को भिगकाकर उसी पानी में नीबू रस मिलकर पीना उपयोगी है।
2. अनानास का रस भी विशेष हितकर है। आलू बुखारा का रस, मूली के पत्तों सहित रस नीबू मिलाकर लेना लाभदायक है।
3. व्यस्क व्यक्ति के लिए 5 पौधे भुई आंवला का रस लेना प्रभावशाली औषधि है। इसे सुबह खाली पेट लेना चाहिये तथा उसके बाद दो घंटे तक कुछ भी खाना-पीना नहीं चाहिये।
4. **आरोग्यामृत :** 50 नीम की पत्ती, एक अंगुल की मोटाई की 8 अंगुल लंबी गिलोय की हरी डंठल, तीन ग्राम सौंफ, तीन ग्राम अजवाइन, तीन नग छोटी पिप्पली को कूट-पीसकर 100 ग्राम पेय रात्रि में बनाकर रखना चाहिये। इस निचोड़-छानकर सुबह खाली पेट लेना चाहिये तथा उसके बाद दो घंटे तक कुछ भी खाना-पीना नहीं चाहिये।
5. इस रोग में शारीरिक थकान भी होती है अतः तीन से सात दिन तक बिस्तर पर आराम करना जरूरी है।

गरम ठंडी सेंकः गरम सेंक के लिए गरम पानी से भरी हुई रबर की थैली तथा ठंडे सेंक के लिए 65 डिग्री फैरनहाइट ठंडा पानी या मटके के पानी में सूती कपड़ा भिगोना चाहिए। 3 मिनट गरम थैला से तथा 1 मिनट ठंडा तौलिया से सेंकना है। इस प्रक्रिया को तीन बार दुहराना है। अंतिम बार 3 मिनट गरम तथा 3 मिनट ठंडा सेंक क्रमशः करना चाहिये। रबर की थैली की जगह गरम पानी में डुबा हुआ सूती कपड़ा उपयोग कर सकते हैं।

डॉ. सीताराम साहू
कार्यपालन अभियंता (सिविल)
कार्या. मुख्य अभियंता(सि.सु.उत्पा.), रायपुर

।। कुर्यात सदा मंगलम् ।।

अंशुल संग सुनीता

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर उत्पादन कंपनी के कार्यालय कार्यपालक निदेशक(वित्त), रायपुर में उपमहाप्रबंधक पद पर कार्यरत श्री जे.के.भिमटे के सुपुत्र चि. अंशुल का शुभ विवाह सौ.कां. सुनीता सुपुत्री श्री बी.पी.मेश्राम, अधीक्षण अभियंता (सतर्कता), कार्यालय मुख्य अभियंता (रा.क्षे.), रायपुर के साथ दिनांक 28.09.14 को दुर्ग में सोल्लास संपन्न हुआ। बधाई...

नितिन संग हर्षिता

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी के कार्यपालन अभियंता (भंडार संभाग) गुढ़ियारी, रायपुर कार्यालय में अनुभाग अधिकारी पद पर कार्यरत श्री अशोक केशकर के सुपुत्र चि. नितीन केशकर का शुभ विवाह सौ.कां. हर्षिता सुपुत्री श्री एम.एल.श्रीवास, तुलसीपुर, राजनांदगांव के साथ 11 मई, 2014 को राजनांदगांव में सोल्लास सम्पन्न हुआ। बधाई...

नेहा संग आशीष

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक कार्यालय रायपुर में निज सहायक के पद पर कार्यरत श्री आर.के.देवांगन की सुपुत्री सौ.कां. नेहा का शुभ विवाह श्री राजेन्द्र देवांगन के सुपुत्र चि. आशीष के संग 22 अप्रैल, 2014 को रायपुर में सानंद सम्पन्न हुआ। बधाई...

सुविधा का मोह

यह बात उस समय की है जब देश को आजाद हुए कुछ ही समय हुआ था। लालबहादुर शास्त्री जब उत्तर प्रदेश के गृहमंत्री थे। शास्त्रीजी अपनी सादगी के लिए विख्यात थे। इतना बड़ा पद मिलने के बाद भी उन्होंने अपनी सादगी को बनाये रखा था। वह कम से कम साधनों में ही अपना और अपने परिवार का काम चलाते थे। किसी भी प्रकार की सुख-सुविधा पर धन का अपव्यय करना वह बिल्कुल पसंद नहीं करते थे।

गृहमंत्री बनने के बाद दोपहर के समय एक दिन वह अपने कार्यालय में थे। तभी उनके घर पीडब्ल्यूडी विभाग के कर्मचारी आये। शास्त्रीजी की पत्नी ललिताजी को उन लोगों ने बताया कि वे कूलर लगाने आए हैं। यह सुनकर शास्त्रीजी के बच्चे बड़े प्रसन्न हो गए। उन्होंने सोचा कि इस बार गर्मी का मौसम बहुत मजे से कटेगा। लेकिन शाम के समय जब शास्त्रीजी घर लौटे, तो उन्हें कूलर वाली बात मालूम हुई। उन्होंने उसी वक्त पीडब्ल्यूडी विभाग में फोन लगाकर कूलर लेने से इन्कार कर दिया।

शास्त्रीजी की पत्नी को यह पता चला तो उन्होंने कहा - 'यदि बिना मांगे कोई सुविधा मिल रही है, तो हम क्यों मना करें ?' इस पर शास्त्रीजी ने जवाब दिया - 'यह तो जरूरी नहीं कि मैं हमेशा मंत्री पद पर ही बन रहूंगा। इस समय तुम्हारी बात मान लूं तो फिर हम सबको सुविधाओं में जीने की बुरी आदत पड़ जाएगी।

अभी तो साधन मिल रहे हैं, लेकिन जब न मिलेंगे तब परेशानी होगी। हमारी बेटियों को शादी के बाद ये सुविधाएं नहीं मिलीं, तो उन्हें कष्ट होगा। इसलिए सादगी से जीने में ही हम सबकी भलाई है। सुविधा के मोह से बचने वाला इंसान हर हाल में सुखी रहता है।'

जीवन दर्शन

शास्त्रीजी की अनुकरणीय मितव्ययिता

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री 'सादा जीवन, उच्च विचार' के हिमायती थे। प्रधानमंत्री पद पर रहने के दौरान भी उनकी सादगी में कोई कमी नहीं आई। वे आम व्यक्ति की तरह ही जीवन जीते थे। उन्होंने स्वयं के लिए अथवा परिवार की खातिर कभी कोई अतिरिक्त सुविधा नहीं ली।

यदि किसी ने उनके पद के मानस्वरूप कोई सहूलियत देने की पेशकश की, तो शास्त्रीजी ने विनम्रतापूर्वक इन्कार कर दिया। उनकी इस अनुकरणीय सादगी को दर्शाता एक प्रसंग है। जब शास्त्रीजी प्रधानमंत्री थे, उन दिनों की बात है। सर्दियों का मौसम था। शास्त्रीजी को किसी महत्वपूर्ण कार्यक्रम में जाना था। वे तैयार हो रहे थे। उन दिनों उनका पुराना नौकर नहीं था। उसके स्थान पर दूसरा नौकर था, जो नया था। शास्त्रीजी ने उनसे कहा, 'मेरा कुर्ता और बंडी लेकर आओ।

'वह दौड़कर गया और कुर्ता-बंडी ले आया। उसे देखते ही शास्त्रीजी ने कहा, 'यह कुर्ता नहीं, फटा कुर्ता लाओ।' वहीं बैठे एक अतिथि ने चौंककर पूछा, 'आपको कार्यक्रम में बाहर जाना है। फिर फटा कुर्ता क्यों पहन रहे हो ?' नौकर भी विस्मित भाव से शास्त्रीजी को देख रहा था । तब शास्त्रीजी ने सहजता से कहा, 'भाई! जाड़े के दिनों में मैं फटा कुर्ता ही पहनता हं क्योंकि कोट-बंडी में वह छिप जाता है और इस प्रकार से उस कुर्ते का पूरा-पूरा उपयोग हो जाता है।

'शास्त्रीजी की सादगीपूर्ण मितव्ययिता देखकर अतिथि उनके प्रति श्रद्धावनत हो गए। यदि राष्ट्र का प्रत्येक नागरिक मितव्ययिता को जीवन शैली का अनिवार्य अंग बना ले तो राष्ट्र से आर्थिक असमानता दूर होने में मदद मिलेगी और गरीबी भी खत्म होने में देर नहीं लगेगी। चौतरफा विकास जमीनी हकीकत का रूप ले लेगा।

लोहा कस मनखे

स्कूल के एक झिन सिक्छक हर किताब दूकान खोले रहीस। ओ हर स्कूल के जम्मो लइका मन ला चेताय रहीस के सब लइका मोरे दूकान ले पुस्तक बिसाहू।

गुरूजी के ये बात हर एक झिक लइका ल बने नई लागीस। काबर कि ये आदेस हर मनखे के अभियान ला चोट पहुंचाने के लईक रहीस। त ओ लइका हर जानबूझ के आने के दूकान ले किताब खरीदीस। गुरूजी बिफड़ तो गे अऊ छड़ी ला सटकारत मारिस त ओ लडका बोलिस

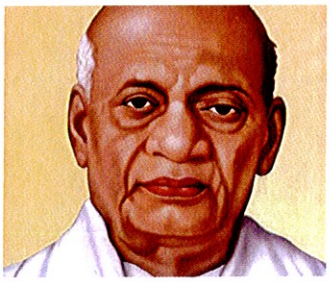

तुंहर काम तो पढ़ाना ये, किताब बेचना नो हैं। आप खुद कोई किताब लिखके छपवाय रहितेव त खरीदई ल कोन कहय, हमन किंजर-किंजर के ओला बेंचतेन अऊ हमर बर ये हर बड़ा गरब के बात होतीस, के हमर सर हर ये किताब ला लिखे हें। सुन के गुरूजी अऊ गुस्सा हो गे अऊ एकर सिकायत हेडमास्टर करा कर दिस। हेड मास्टर घलो ओला डांटीस धमकइस। तब लइका मन हड़ताल कर दीन।

अंत में प्रधानपाठक ला झुके बर परीस। सबो गुरूजी मन ल माने ला परीस के लइका मन ठीक कहत हें। त ये लइका कोन रहीस हे सरदार वल्लभ भाई पटेल। जेला लौह पुरुष कहे जाथे

सफलता

- सफलता अक्सर जोखिम लेकर काम करने वालों को ही मिलती है। यह उन कायरों के पास नहीं जाती जो हमेशा परिणामों से भयभीत रहते हैं।
  पं. जवाहर लाल नेहरू

- कड़ी मेहनत के बिना सफलता की आशा करना, वहां फसल काटने की कोशिश करना है, जहां आपने बोया ही नहीं है
  डेविड ब्लाई

- चींटी से अच्छा उपदेशक दूसरा कोई नहीं है। यह काम करती है और खामोश रहती है
  बैंजामीन फ्रेंक्लिन

- अच्छा शब्द के कई अर्थ होते हैं। उदाहरण के लिए अगर कोई आदमी अपने साथी को 500 गज दूर से गोली मार दे, तो मैं उसे अच्छा निशानेबाज कहूंगा, अच्छा इंसान नहीं
  के.चेस्ट रटन

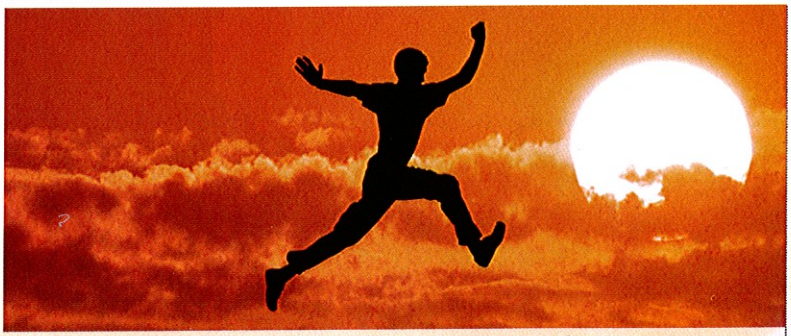

- सफलता का सूत्र सरल है- सही काम करे, सही तरीके से करें, सही समय पर करें.
- जब भी खरीदारी करें, तब अपने आपसे सवाल पूछें- 'ज' कि 'च' यानि यह खरीदना जरूरत है या चाहत ?
- सच बोलने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि आपको यह याद नहीं रखना पड़ता कि आपने किससे क्या कहा था।
- ईमानदारी की रोटी बड़ी अच्छी होती है, प्रलोभन तो घी का होता है।

प्रमाणित किया जाता है कि पत्रिका के मेक, मुद्रण / प्रकाशन आदि गुणवत्ता एवं पत्रिका के अंदर के पृष्ठों में 90 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) और कवर पृष्ठों में 220 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) का उपयोग किया गया है. - मुद्रक

मयंक ऑफ सेट प्रिंटर्स कंकालीपारा, रायपुर - 98271-76089, 97527-11101

रूके न तू

धरा हिला, गगन गूंजा,
नदी बहा, पवन चला
विजय तेरी, विजय तेरी,
भुजा-भुजा, फड़क-फड़क,
रक्त में धड़क-धड़क
धनुष उठा प्रहार कर,
तू सबसे पहला वार कर,
अग्नि सी धधक-धधक,
हिरन सी सजग-सजग
सिंह सी दहाड़ कर,
शंख सी पुकार कर
रूके न तू, थके न तू,
झुके न तू, थमे न तू...

हरिवंश राय बच्चन

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कंपनी मर्या. डंगनिया, रायपुर, फोन : 0771-2574702, फैक्स : 0771-2574702, website - www.cseb.gov.in